वर्ष : 26 | अंक : 124 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 26 अप्रैल, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

2024 चुनाव का पर्व

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

दादरी के विधायक ने डाला वोट

दादरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक तेजपाल नागर ने दादरी स्थित अपने गॉव आकिलपुर जागीर मतदान केंद्र पर प्रथम वोट डाल कर लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आप भी सुदृढ़ और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए बड़ी संख्या में मतदान करें। विशेषकर पहली बार वोट डाल रहे युवा साथियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर देश के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में अपना योगदान दें।

गौतमबुद्धनगर के वोटरों में उत्साह

01:00 बजे तक का मतदान प्रतिशत

61- नोएडा-	32.46 %
62- दादरी-	36.43 %
63- जेवर-	37.22 %
64- सिकंदराबाद-	39.71 %
70- खुर्जा-	37.69 %
कुल मतदान :	36.06 %

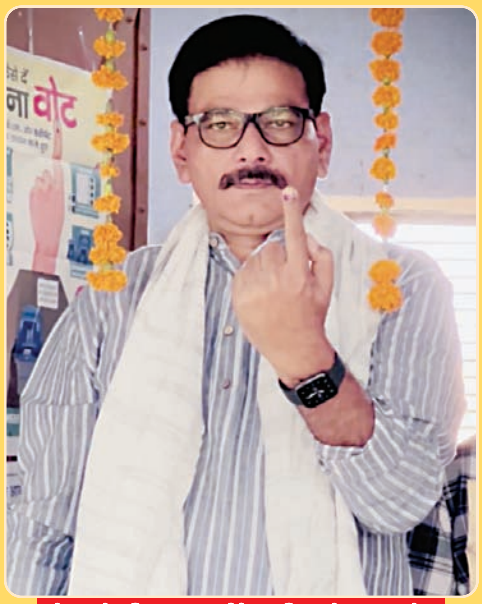

जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह ने डाला वोट

● चेतना मंच टीम

गौतमबुद्धनगर। लोकसभा चुनाव-2024 के दूसरे चरण में आज उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर मतदान जारी है। गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, अमरोहा, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोट डाले जाएंगे। गौतमबुद्धनगर की नोएडा विधानसभा सीट में वोटरों में मतदान को लेकर भारी उत्साह देखा गया। सुबह मौसम सुहावना होने के कारण मतदाता बड़ी संख्या में बूथों पर पहुंचे। शहरी क्षेत्र में मतदाताओं में बेहद उत्साह देखा गया। नोएडा शहर में रहने वाले बुजुर्गों के साथ ही युवा वोटरों ने लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेकर अपने मत का प्रयोग किया। गौतमबुद्धनगर लोकसभा में चुनावी मैदान में कुल 15 प्रत्याशी हैं जिनकी किस्मत का फैसला 26.75 लाख मतदाता करेंगे। गौतमबुद्धनगर की तीन और बुलंदशहर की दो विधान सभा क्षेत्रों के 2717 बूथों पर वोट डाले जाएंगे। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक जारी रहेगा। हालांकि निर्धारित समय तक जो मतदाता बूथ के अंदर होंगे उन्हें हर हाल में मतदान कराने का मौका मिलेगा। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बुर्जुगों का किया अभिनंदन

नोएडा में मतदान करने के लिए रिटायर्ड सैन्यकर्मी अपनी विकट शरीरिक समस्या के बावजूद मतदान करने पहुंचे तो वहां मौजूद पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह और जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने उनका अभिनंदन किया। मतदान के प्रति उनकी जागरूकता को सराहा।

गौतमबुद्धनगर जिले के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने पत्नी के साथ नोएडा के सेक्टर 27 स्थित कैंब्रिज स्कूल में मतदान किया।

विकास के नाम पर वोट दे जनता : डॉ. महेश शर्मा

“ नोएडा से भाजपा प्रत्याशी डॉ महेश शर्मा ने सेक्टर-15ए स्थित क्लब में बने पोलिंग बूथ पर सुबह 8.45 पर मतदान किया। मतदान करने के बाद उन्होंने मीडिया से कहा कि डॉक्टर होने ही सिर्फ क्वालिफिकेशन नहीं है, वो किस पार्टी से आते हैं, क्या इतिहास है। ये बहुत मायने रखता है। लोग खाली डॉक्टर की डिग्री देखकर चुनाव नहीं जिताते। साथ ही उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी, पार्टी आलाकमान और जनता का आभार जताया। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी समाज की राजनीति नहीं करते, हमारी पार्टी विकास की राजनीति करती है।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के साथ मतदान के दौरान उनकी माताजी श्रीमती ललिता शर्मा, धर्मपत्नी श्रीमती डा. उमा शर्मा, पुत्री डा. पल्लवी शर्मा, दामाद डा. श्रीकांत शर्मा, पुत्र डा. कार्तिक शर्मा सहित परिवार के अन्य जन तथा भाजपा के नेता मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने परिवार के साथ सेक्टर-14ए स्थित सामुदायिक केंद्र में बने मतदान केंद्र पर मतदान किया।

वोट डालने आया युवक बेहोश

दनकौर में एक मतदान केंद्र पर दौरा पड़ने से वोट डालने आया युवक बेहोश होकर गिर गया। मेहंदीपुर गांव में मतदान के लिए मतदाताओं की लंबी कतार लगी है। व्हीलचेयर पर वोट डालने आए व्यक्ति नानक ने बताया कि वोट डलवाने के लिए घर पर कोई नहीं आया। वहीं, पोलिंग बूथ पर पहली बार एनसीसी के छात्र ड्यूटी दे रहे हैं। जेवर बांगर एयरपोर्ट विस्थापित टाउनशिप में मतदान केंद्र पर मतदाताओं की लंबी लाइन लगी है। कचैडा गांव में महिला मतदाता घूंघट की ओट में मतदान करने पहुंची। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नोएडा सीट पर तेजी से खिल रहा है कमल, ग्रामीण क्षेत्रों में हाथी भी चला

नोएडा शहर से लेकर खुर्जा तक फैले हुए गौतमबुधनगर लोकसभा क्षेत्र में मतदान जारी है। नोएडा सीट पर चल रहे मतदान के बीच बहुत साफ संकेत नजर आ रहे हैं। नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा शहर हो, ग्रेटर नोएडा वेस्ट का क्षेत्र हो या फिर दादरी, जारचा, सूरजपुर, भंगेल, जेवर, दनकौर, खुर्जा अथवा सिकंदराबाद जैसे कस्बे हों सभी जगह कमल का फूल तेजी से खिलता हुआ नजर आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी फूल खूब खिल रहा है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर हाथी भी चलता हुआ नजर आ रहा है। दादरी विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर साइकिल की सवारी कहीं भी नजर नहीं आ रही होगी। कमल के खेलने की रफ्तार लगातार बढ़ती हुई नजर आ रही है।

यह समाचार लिखे जाने तक नोएडा सीट पर मतदान की गति सामान्य बनी हुई थी। मतदान प्रतिशत में नोएडा शहर पिछड़ता हुआ नजर आ रहा है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

भाजपा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा की माताजी श्रीमती ललिता शर्मा ने भी वोट डाला

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ मेधा रूपम ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टर गामा-1 स्थित प्रज्ञान स्कूल में बने मतदान केंद्र पर मतदान किया।

गाजियाबाद में पोलिंग बूथों पर लगी वोटरों की कतार

वीके सिंह ने लोगों से की मतदान करने की अपील

“ केंद्रीय मंत्री और गाजियाबाद के सांसद वी.के. सिंह ने राजनगर स्थित एक पोलिंग बूथ पर मतदान कर लोगों से वोट करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आइए और मतदान कीजिए, यही संदेश है। निसंदेह भाजपा पूरे देश में जीत हासिल करने जा रही है. पीएम नरेंद्र मोदी ने लक्ष्य दिया हुआ है, मुझे विश्वास है कि हम उस लक्ष्य को जरूर प्राप्त करेंगे।

गाजियाबाद (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर आज (शुक्रवार) वोटिंग हो रही है। जिसमें गाजियाबाद लोकसभा सीट भी शामिल हैं। गाजियाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा से अतुल गर्ग मैदान में हैं। वहीं, कांग्रेस ने डॉली शर्मा और बीएसपी ने नंदकिशोर पुंडीर को प्रत्याशी बनाया है। गाजियाबाद के 29 लाख से अधिक वोटर आज अपना सांसद चुनने के लिए वोट डाल रहे हैं। गाजियाबाद के शहरी इलाकों में बनाए गए बूथों पर वोटरों की कतार देखी गई। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में भी

बुजुर्गों में उत्साह, युवाओं ने भी जमकर डाले वोट

वोटरों में उत्साह देखा गया।

गाजियाबाद में वोटिंग के लिए मतदाताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। बूथों पर लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। लोग सुबह सात बजे से ही लोग वोटिंग के लिए अपने घरों से निकले। गाजियाबाद के लोनी के प्राथमिक विद्यालय मेन बाजार में वोट डालने के लिए मतदाताओं की कतार लगी है।

इंदिरापुरम स्थित ऑरेंज काउंटी सोसाइटी में मतदान करने के लिए मतदाता लाइन में लगे हैं। इंदिरापुरम स्थित ऑरेंज काउंटी सोसाइटी में मतदाताओं ने मतदान के बाद सेल्फी भी ली। अर्थला की संजय कॉलोनी में रहने वाले मतदाताओं ने कैलाशवती स्कूल में मतदान किया। लोनी के मतदान केंद्र पर बुजुर्ग मतदाता नजरा (100) वोट डालने के लिए पहुंची। वहीं, गाजियाबाद के अर्थला के कैलाशवती स्कूल में मतदान केंद्र पर सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ। अर्थला में रहने वाले 103 साल के बदन सिंह मलिक ने कैलाशवती स्कूल पर मतदान किया।

गाजियाबाद के लोनी के बलरामनगर कॉलोनी में रहने वाली गुरुदेवी 85 ने सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल स्थित बूथ पर मतदान किया। वहीं, डासना मतदान केंद्र पर रुखसार चौधरी का सबसे पहले वोट पड़ा। अनुष्का आनंद ने अपना पहला वोट उत्तर प्रदेश के विकास **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

यूपी की 8 सीटों पर मतदान

अमरोहा में सबसे ज्यादा, मथुरा में पड़े सबसे कम वोट

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव- 2024 के दूसरे चरण में आज यूपी की आठ सीटों पर मतदान जारी है।

अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोट पड़ेंगे। कुछ स्थानों से ईवीएम मशीनों के खराब होने की जानकारी है। वहीं अधिकतर जिलों में मतदान के प्रति वोटरों में खास उत्साह देखा जा रहा है। यूपी की आठ लोकसभा सीटों पर हो रहे मतदान में दोपहर 1.00 बजे तक सबसे ज्यादा मतदान अमरोहा में हुआ। अमरोहा में 1.00 बजे तक 40.67 प्रतिशत मतदान हो चुका था। जबकि सबसे कम मतदान मथुरा में 1 बजे तक 32.70 प्रतिशत मतदान हुआ था। कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं थी। यूपी में सुबह नौ बजे तक 24.31 फीसदी मतदान हुआ था। मेरठ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

यूपी में 1.00 बजे तक 35.73 प्रतिशत मतदान

● अलीगढ़ में	35.55 प्रतिशत
● अमरोहा में	40.67 प्रतिशत
● बागपत में	34.17 प्रतिशत
● बुलंदशहर में	35.35 प्रतिशत
● गौतमबुद्धनगर में	36.06 प्रतिशत
● गाजियाबाद में	33.09 प्रतिशत
● मथुरा में	32.70 प्रतिशत
● मेरठ में	37.33 प्रतिशत

सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने परिवार के साथ डाला वोट

मेरठ के सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने आज बूथ संख्या-350 मास्टर स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, शास्त्री नगर, मेरठ में लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव-2024 के लिए परिवार के साथ मताधिकार का प्रयोग किया। खरखौदा क्षेत्र का 11 बजे तक का मतदान प्रतिशत 31 प्रतिशत रहा है।

चुनावी शिकायतें

यह लोकसभा का चुनाव है, न कि किसी धार्मिक संस्थान के लिए चुनाव कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को सांप्रदायिक बयान देने को बाध्य होना पड़ा, उसकी उलट प्रतिक्रिया में करीब 2000 शिकायतें चुनाव आयोग को भेजी गई हैं। कांग्रेस ने जो 17 शिकायतें की हैं, वे इनसे भिन्न हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर आयोग क्या निर्णय लेता है, उससे उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता जुड़ी है। 2019 के आम चुनाव के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ 6 शिकायतें दर्ज की गई थीं, लेकिन चुनाव आयोग ने उन्हें 'क्लीन चिट' दे दी। इस पर चुनाव आयोग की तीखी आलोचना की गई थी। हालांकि मतदान और मतदाता से जुड़े 'भारतीय जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951' में ऐसी धाराएं भी हैं, जिनके तहत ऐसी शिकायतों पर दंडनीय कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन हमारी व्यवस्था 'दंतहीन' है। आज एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन की याद आ रही है, जिन्होंने साबित कर दिया था कि चुनाव आयोग के पास हथियार, अधिकार और पैने दांत भी हैं। वह सत्ता-पक्ष का 'पायदान' नहीं है। बहरहाल इन शिकायतों के निपटारे से अहम देश के प्रधानमंत्री का व्यक्तित्व है। वह समूचे राष्ट्र के हैं, तो सभी धर्मों, संप्रदायों, नस्लों, मतों, लिंगों और भाषाओं के भी हैं। बेशक उनका निजी धर्म और आस्था हिंदुत्व से जुड़ा है, लेकिन जब वह देश को संबोधित कर रहे होंगे या आह्वान कर रहे होंगे, तो वह पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष होंगे। प्रधानमंत्री किसी एक धर्म के प्रचारक या समर्थक नहीं हो सकते। दरअसल प्रथम चरण के कम मतदान के बाद प्रधानमंत्री मोदी की जुबां, भाषा, आह्वान और तेवर बदल गए हैं। आजकल प्रधानमंत्री राम मंदिर, काशी और ब्रज, रामनवमी, हनुमान चालीसा, मंगलसूत्र और हिंदू बनाम मुसलमान के मुद्दों पर वोट मांग रहे हैं। अलबत्ता प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 10-साला कार्यकाल के दौरान अधिकतर विकास, 5वीं से तीसरी वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंततः 2047 तक 'विकसित भारत' की बात कही है। दुनिया में भारत की हैसियत की व्याख्याएं की हैं। इस बार 2024 का जनादेश वह 'विकसित भारत' का संकल्प हासिल करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए मांग रहे हैं। अचानक यह बदलाव क्यों आया कि देश के प्रधानमंत्री राम नाम, श्रीकृष्ण जन्मभूमि और हनुमान चालीसा की चिंता करने लगे हैं और देश की करीब 15 फीसदी मुस्लिम आबादी को 'घुसपैठिया' करार देने लगे हैं। क्या प्रधानमंत्री भाजपा के कट्टर और सनातन मतदाता के समर्थन के लिए बदल रहे हैं? प्रधानमंत्री अर्थव्यवस्था, विकास दर, विश्व की आर्थिक महाशक्ति, विश्व का सबसे विशाल मैन्यूफैक्चरिंग हब, सेमीकंडक्टर चिप्स का निर्माता, विमान और हेलीकॉप्टर निर्माण में आत्मनिर्भरता, जी-20, जी-7, सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता आदि महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दों को या तो भूल गए हैं अथवा नेपथ्य में डाल दिया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस, नल में जल, शौचालय, जन-धन खाते, बिजली, चमकदार राजमार्गों, विश्वकर्मा योजना, कौशल विकास, 220 करोड़ मुफ्त कोरोना टीकों आदि का जिक्र भी बहुत कम करते हैं। ऐसा लगता है मानो किसी ने 'दहशत का बटन' दबा दिया है और प्रधानमंत्री को हिंदुत्व पर ज्यादा आक्रामक होना पड़ा है। शायद प्रधानमंत्री को एहसास हो गया है कि विकास और बढ़ोतरी के मुद्दे पर वोट कम मिलेंगे तथा आक्रामक धार्मिकता से ध्रुवीकरण होगा और बहुसंख्यकों के बहुमत के वोट भाजपा-एनडीए के पक्ष में आएंगे! प्रथम चरण के मतदान के ठोस संकेत, अपने-अपने माध्यमों से, मिल चुके हैं। भाजपा अब भी दौड़ में सबसे आगे है। कई सीटों पर मुकाबले बेहद कांटेदार हैं। अलबत्ता भाजपा के चेहरे से 400 पार की खुशी कुछ गायब लग रही है। मोदी-विरोधी लहर की खुशी विपक्ष के चेहरों पर भी मद्धिम पड़ गई है। मतदान अब भी कम हो सकता है, क्योंकि दूसरे चरण की जिन 89 सीटों पर 26 अप्रैल को मतदान होना है, उसमें कमोबेश 30 सीटों पर गरम लू का मौसम होगा। क्या अब प्रधानमंत्री अपनी बदली जुबां और विषय के साथ ही मतदाताओं से वोट की अपील करते रहेंगे?

भारत में धार्मिक पर्यटन छू रहा नित नई ऊंचाइयां

हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में स्व का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं।

जेफरीज नामक एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज कम्पनी ने बताया है कि अयोध्या में निर्मित प्रभु श्रीराम के मंदिर से भारत की आर्थिक सम्पन्नता बढ़ने जा रही है। दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुए प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्थानीय कारोबारी अपना उज्जवल भविष्य देख रहे हैं। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। जेफरीज के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। अभी अयोध्या में केवल 17 बड़े होटल हैं इनमें कुल मिलाकर 590 कमरे उपलब्ध हैं। लेकिन, अब 73 नए होटलों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से 40 होटलों का निर्माण कार्य प्रारम्भ भी हो चुका है। अभी तक नए एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, टाउनशिप और रोड कनेक्टिविटी में सुधार जैसे कामों पर 85,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इस निवेश का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर दिखाई देने जा रहा है। शीघ्र ही अयोध्या वैश्विक स्तर पर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगा। इससे होटल, एयरलाईन, हॉस्पिटलिटी, ट्रैवल, सिमेंट जैसे क्षेत्रों को बहुत बड़ा फायदा होने जा रहा है। भारत के विभिन्न शहरों से 1000 के आसपास नई रेल अयोध्या के लिए चलाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पूरे देश से दिनांक 23 जनवरी 2024 के बाद से प्रतिदिन भारी संख्या में धार्मिक पर्यटक अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह हर्ष का विषय है कि पहिले दिन ही 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के दर्शन किये हैं।

विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटेकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है।

की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अतः अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। फिर अकेले अयोध्या नगर को होने वाली आय का अनुमान तो सहज रूप से लगाया जा सकता है। अभी अयोध्या आने वाले श्रद्धालु अयोध्या में रूकते नहीं थे प्रातः अयोध्या पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर शाम तक वापिस चले जाते थे परंतु अब अयोध्या को इतना आकर्षक रूप से विकसित किया गया है कि श्रद्धालु 3 से 4 दिन रुकने का प्रयास करेंगे। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छतीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा।

केंद्र सरकार द्वारा भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार किए जा रहे प्रयासों का परिणाम भी अब दिखाई देने लगा है। ꖴमेक माई ट्रिप इंडिया ट्रैवल ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, भारत के नागरिक अब पहले के मुकाबले अधिक यात्रा कर रहे हैं। भारत के नागरिकों द्वारा विशेष रूप से अयोध्या, उज्जैन एवं बदरीनाथ जैसे आध्यात्मिक स्थलों के बारे में अधिक जानकारी हासिल की जा रही है। उक्त जानकारी ꖴमेक माई ट्रिपꖴ के प्लेटफार्म के 10 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर सामने आई है। वर्ष 2019 के बाद से भारत में एक वर्ष में तीन से अधिक यात्राएं करने वाले लोगों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। उक्त रिपोर्ट के अनुसार, आध्यात्मिक पर्यटन सम्बंधी जानकारी हासिल करने की गतिविधियों में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2023 में 97 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से अयोध्या के सम्बंध में जानकारी हासिल करने सम्बंधी गतिविधियों में वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में 585 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार, उज्जैन एवं बदरीनाथ जैसे धार्मिक स्थलों के सम्बंध में भी जानकारी हासिल करने वाले नागरिकों की संख्या में क्रमशः 359 प्रतिशत और 343 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। भारत में अब पारिवारिक यात्रा की बुकिंग भी बहुत तेज गति से बढ़ रही है। इसमें वर्ष 2022 के तुलना में वर्ष 2023 में 64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि इसी अवधि में एकल यात्रा की बुकिंग में केवल 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

उक्त जानकारी को भारत के नागरिक विमानन मंत्रालय द्वारा जारी एक जानकारी से भी बल मिलता है कि भारत में घरेलू हवाई यातायात अब एक नए मुकाम पर पहुंच गया है। दिनांक 21 अप्रेल 2024 (रविवार) को रिकार्ड 471,751 यात्रियों ने 6,128 उड़ानों के माध्यम से, भारत में हवाई सफर किया है। इसके पूर्व हवाई यातायात करने वाले नागरिकों की औसत संख्या, कोरोना महामारी के पूर्व के खंडकाल में, 398,579 यात्रियों की थी। इसमें 14 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है।

देश में धार्मिक पर्यटन में हो रही भारी वृद्धि के चलते भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में भी तेजी दिखाई देने लगी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर ने भारत सहित विश्व के समस्त आर्थिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। इस दौरान, भारत में सकल घरेलू उत्पाद में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हुई है जबकि प्रथम तिमाही के दौरान वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत एवं द्वितीय तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की रही थी। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रही थी। जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। इसी प्रकार, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इकरा ने 6.5 प्रतिशत, एशिया विकास बैंक एवं बार्कलेस एवं प्राइस वॉटर कूपर्स ने 6.7 प्रतिशत, डेलाईट इंडिया ने 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। परंतु, समस्त विदेशी संस्थानों के अनुमानों के झुठलाते हुए भारत की आर्थिक विकास दर लगभग 8 प्रतिशत की रही है। यह सब देश में लगातार बढ़ते धार्मिक पर्यटन एवं विभिन त्यौहारों तथा शादी जैसे समारोहों पर भारतीय नागरिकों द्वारा दिल खोलकर पैसा खर्च करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। इससे त्यौहारों एवं शादी के मौसम में व्यापार के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर होती है। जैसे दीपावली त्यौहार के समय भारत में नागरिकों के बीच विभिन्न नए उत्पादों की खरीद के लिए जैसे आपस में होड़ सी लग जाती है। भारत में लाखों करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली त्यौहार के समय में होता है। इसी प्रकार की स्थिति शादियों के मौसम में भी पाई जाती है। संभवतः विदेशी वित्तीय संस्थान भारत में हो रहे इस तरह के उक्त वर्णित परिवर्तनों को समझ नहीं पा रहे हैं एवं केवल पारंपरिक विधि से ही सकल घरेलू उत्पाद को आंकने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए भारत की विकास दर के संबंध में विभिन्न विदेशी संस्थानों के अनुमान गलत साबित हो रहे हैं।

– प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक,
भारतीय स्टेट बैंक

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे नाथ! हे धीर बुद्धि! पहले तो यह बताइए कि सबसे दुर्लभ कौन सा शरीर है फिर सबसे बड़ा दुःख कौन है और सबसे बड़ा सुख कौन है, यह भी विचार कर संक्षेप में ही कहिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

संत असंत मरम तुम्ह जानहु। तिन्ह कर सहज सुभाव बखानहु॥
कवन पुन्य श्रुति बिदित बिसाला। कहहु कवन अघ परम कराला॥

संत और असंत का मर्म (भेद) आप जानते हैं, उनके सहज स्वभाव का वर्णन कीजिए। फिर कहिए कि श्रुतियों में प्रसिद्ध सबसे महान पुण्य कौन सा है और सबसे महान भयंकर पाप कौन है॥

मानस रोग कहहु समुझाई। तुम्ह सर्बग्य कृपा अधिकाई॥
तात सुनहु सादर अति प्रीती। मैं संछेप कहउँ यह नीती॥

फिर मानस रोगों को समझाकर कहिए। आप सर्वज्ञ हैं और मुझ पर आपकी कृपा भी बहुत है। (काकभुशुण्डिजी ने कहा-) हे तात अत्यंत आदर और प्रेम के साथ सुनिए। मैं यह नीति संक्षेप से कहता हूँ॥

नर तन सम नहिं कवनिउ देही। जीव चराचर जाचत तेही॥
नरक स्वर्ग अपबर्ग निसेनी। ग्यान बिराग भगति सुभ देनी॥

मनुष्य शरीर के समान कोई शरीर नहीं है। चर-अचर सभी जीव उसकी याचना करते हैं। वह मनुष्य शरीर नरक, स्वर्ग और मोक्ष की सीढ़ी है तथा कल्याणकारी ज्ञान, वैराग्य और भक्ति को देने वाला है॥

सो तनु धरि हरि भजहिं न जे नर। होहिं बिषय रत मंद मंद तर॥
काँच किरिच बदलें ते लेहीं। कर ते डारि परस मनि देहीं॥

ऐसे मनुष्य शरीर को धारण (प्राप्त) करके भी जो लोग श्री हरि का भजन नहीं करते और नीच से भी नीच विषयों में अनुरक्त रहते हैं, वे पारसमणि को हाथ से फेंक देते हैं और बदले में काँच के टुकड़े ले लेते हैं॥

नहिं दरिद्र सम दुख जग माहीं। संत मिलन सम सुख जग नाहीं॥
पर उपकार बचन मन काया। संत सहज सुभाउ खगराया॥

जगत में दरिद्रता के समान दुःख नहीं है तथा संतों के मिलने के समान जगत में सुख नहीं है। और हे पक्षीराज! मन, वचन और शरीर से परोपकार करना, यह संतों का सहज स्वभाव है॥

(क्रमशः...)

गुरु, गोविंद दोऊ खड़े...

संत कबीर का प्रसिद्ध दोहा ='गुरू, गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पांय, बलिहारी गुरू आपने, जिन गोविंद दियो बताय', हम सबने सुन रखा है। पंद्रहवीं शताब्दी के महान कवि और संत कबीर जी के सधुक्कड़ी एवं पंचमेल की खिचड़ी में रचे दोहे जनमानस में लोकप्रिय तो हैं ही, प्रेरणा का बड़ा स्रोत भी हैं। संत कबीर ने हर धर्म और वर्ग को सीख दी है। वे एक ऐसे संत थे जिन्होंने दिखावे के फालतू कर्मकांड को नकारा और सहज जीवन की व्याख्या की। गुरू की महत्ता पर उन्होंने कई दोहे रचे। अपने सर्वाधिक लोकप्रिय और प्रचलित दोहे में उन्होंने गुरू को नमन करते हुए कहा कि अगर गुरू और भगवान दोनों साथ-साथ खड़े हों तो मैं पहले गुरू को नमन करूंगा क्योंकि भगवान तक पहुंचने का रास्ता गुरू ने ही दिखाया है। गुरू की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संत कबीर ने कहा कि 'गुरू बिन ज्ञान न ऊपजै, गुरू बिन मिलै न मोष, गुरू बिन लखै न सत्य को, गुरू बिन मिटै न दोष', यानी बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है। तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों में जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता, उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता, फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ, गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। इतना ही नहीं, संत कबीर ने यह भी कहा कि गुरू और पारस के अंतर को सभी ज्ञानी पुरुष जानते हैं, पारस मणि के विषय में जग विख्यात है कि उसके स्पर्श से लोहा भी सोना बन जाता है, किन्तु गुरू तो इतने महान हैं कि अपने गुण-ज्ञान में ढालकर शिष्य को अपने जैसा ही महान बना लेते हैं। 'गुरू पारस को अन्तरो, जानत हैं सब संत, वह लोहा कंचन करे, ये करि लेय महंत', में संत कबीर ने यही कहा है।

स्पष्ट है कि किसी समर्थ गुरू के मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक जगत में जाने का इच्छुक व्यक्ति यूं ही गोल-गोल घूमता रह सकता है। गुरू ही सीधा और सरल मार्ग दिखा सकते हैं। संतों की महिमा इसीलिए है, जिसे हर धर्म ने स्वीकार किया है। परेशानी इसके बाद हुई जब गुरू को ही भगवान मान लिया गया। गुरू के नाम की माला पहन ली गई, गुरू की आरती शुरू हो गई और भगवान बिसर गए। कबीर दास जी ने जब 'काके लागूं पांय' कहा तो सिर्फ ये समझाना चाहा कि गुरू के बिना ज्ञान नहीं मिलता, लेकिन ज्ञान तो परमात्मा का मिलता है न? फिर परमात्मा की महत्ता कम कैसे हो गई? गुरू, सिर्फ गुरू है, गोविंद नहीं, राह तो गोविंद तक जाने की है, परमात्मा तक जाने की है। गुरू भगवान नहीं है। गुरू नानक देव जी ने हर जगह राम-राम जपा है। दसों गुरुओं ने राम के गुण गाए हैं, अपने नहीं। संत रविदास ने राम के गुण गाए हैं, अपने नहीं। बाकी संतों ने भी परमात्मा के ध्यान की बात कही है, किसी भी सच्चे गुरू ने कभी नहीं कहा कि मुझे पूजो। किसी भी सच्चे गुरू ने कभी नहीं कहा कि भगवान को छोड़कर मेरी माला जपो। 'सहज संन्यास मिशन' में भी हम यही कहते हैं कि कोई गुरू आपको अध्यात्म की सीढियां चढ़ना तो सिखा सकता है, पर वह आपका कोच है, आपका ट्रेनर है, आपका मैंटॉर है, और हम सब भगवान का प्रतिरूप हैं, इस रूप में गुरू भी भगवान है, पर भगवान का विकल्प नहीं है, परमात्मा का सब्स्टीट्यूट नहीं है। हम फिर सिर्फ गुरू को ही भगवान मानकर नहीं पूजते, बल्कि इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु में भगवान के दर्शन करते हैं। हर धर्म की तरह 'सहज संन्यास मिशन' की भी यही मान्यता है कि परमात्मा को हम किसी भी नाम से पुकारें, या किसी भी रूप में पहचानें, परमात्मा एक ही है और इसी एक कारण से घट-घट में है, सर्वव्यापी है कि हर जड़-चेतन वस्तु उसी एक ऊर्जा का प्रतिरूप है। खुद परमात्मा भी इसी रूप में अभिव्यक्त है।

परमात्मा को पाने के लिए किसी पूजा-स्थल की आवश्यकता नहीं है, किसी मूर्ति की आवश्यकता नहीं है। मैं परमात्मा का प्रतिरूप हूं, मैं खुद ही परमात्मा हूं, अहम् ब्रह्मास्मि! पर, इस सच को शायद हम खुद न समझ पाते, गुरू ने हमें इस सच से परिचित करवाया, गुरू का शुक्रिया। हम गुरू के ऋणी हैं, हम गुरू का सत्कार करते हैं, हम गुरू के मार्गदर्शन के लिए उनके अनुगृहीत हैं, पर हम परमात्मा को छोड़कर सिर्फ गुरू में ही भगवान देखेंगे तो हमने खुद को सीमित कर लिया, खुद को एक और दायरे में बांध लिया। अध्यात्म हमें किसी दायरे में नहीं बांधता, किसी बंधन में नहीं जकड़ता, किसी पिंजरे में बंद नहीं करता। अध्यात्म तो स्वतंत्रता का दूसरा नाम है। घट-घट में भगवान का यही अर्थ है कि हम सब परमात्मा का प्रतिरूप हैं, हम सबमें परमात्मा है, वह किसी एक मूर्ति, किसी एक ग्रंथ, या किसी एक व्यक्ति जितना छोटा नहीं है। यही कारण है कि परमात्मा की पूजा के लिए किसी बाहरी प्रतीक पर निर्भर रहने के बजाय जब हम अंदर की यात्रा शुरू करते हैं तो आध्यात्मिक हो जाते हैं और परमात्मा का सान्निध्य नित्य की बात हो जाती है। यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोड़कर हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के।

यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सबकी जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। परमात्मा को हम किसी भी नाम से पुकारें, किसी भी रूप में देखें, किसी भी रूप में महसूस करें, पर परमात्मा सिर्फ एक है, लेकिन परमात्मा तक पहुंचने के कई रास्ते हैं। हम कोई एक रास्ता चुनते हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि बाकी रास्ते गलत हैं। हम किसी एक देश के किसी एक राज्य के किसी एक शहर के किसी एक परिवार में जन्म लेते हैं। उस देश के उस राज्य के उस शहर के उस परिवार की मान्यताएं हमें प्रभावित करती हैं, इसलिए हम अध्यात्म का या परमात्मा का कोई एक रास्ता चुन लेते हैं। इसी तरह हर दूसरा व्यक्ति अपने देश, काल, समाज और परिवार की मान्यताओं के अनुसार कोई और रास्ता चुन लेता है। तो स्पष्ट है कि सभी रास्ते परमात्मा तक पहुंचने के लिए हैं, और सभी रास्ते सही हैं। हर सच्चा गुरू यही सिखाता है क्योंकि यही सच भी है।

-स्पिरिचुअल हीलर
सिद्धगुरु प्रमोद

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : तृतीया **(विक्रम संवत् 2081)**

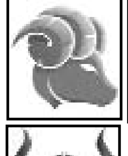
मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

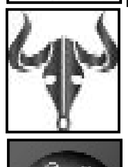
वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो) जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। प्रेम की स्थिति अच्छी है।

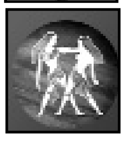
मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा) कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। सरकारी तंत्र से मत उलझिए, बाकी अच्छी स्थिति है।

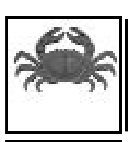
कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा) भावुकतावश कोई निर्णय मत लीजिएगा। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं के संकेत हैं। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें।

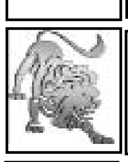
सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे) घरेलू सुख-सुविधा के सामानों में वृद्धि होगी लेकिन गृह-कलह भी होगा। स्वास्थ्य ठीक है।

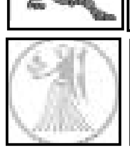
कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा सुधर चुका है।

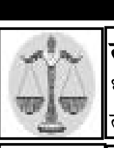
तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त) धन आगमन होगा। कुटुंब में वृद्धि होगी लेकिन निवेश किया तो धन-हानि भी होगी। स्वास्थ्य ठीक है।

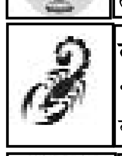
वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू) भाग्य साथ देगा। सितारों की तरह चमकेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा।

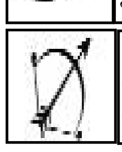
धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे) चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। खर्च की अधिकता रहेगी। मन व्याकुल रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार भी मध्यम।

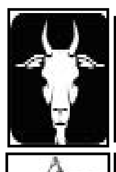
मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी) आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार अच्छा हो गया है।

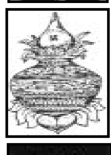
कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द) व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उच्चाधिकारियों का साथ होगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि) भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान, व्यापार अच्छा है।

मतदान कर बाहर आते हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट के संयोजक प्रणीत भाटी अपनी बेटी निकेता भाटी के साथ मतदान किया। वहीं भाजपा नेता मनोज प्रधान तथा महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता ताराचंद नायक के साथ भाजपा (अराजनतिक) के पूर्व महा नगर अध्यक्ष भूपेन्द्र शर्मा तथा रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा के पूर्व अध्यक्ष मुकुल गोयल ने भी मतदान किया।

वारसअली ने दनकौर में जहां मतदान किया वहीं हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व जिला अध्यक्ष चैनपाल प्रधान ने अपने बिरौडी में मतदान किया।

पृष्ठ एक के शेष....

गौतमबुद्धनगर के वोटरों...

मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की कमान पुलिस के साथ अर्धसैनिक बल के हाथों में है। नोएडा में वोटर्स काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू होने के बाद से ही पोलिंग बूथों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लगी हुई हैं। गौतमबुद्धनगर जिले के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने पत्नी के साथ नोएडा के सेक्टर 27 स्थित कैंब्रिज स्कूल में मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा तथा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने भारतीय आदर्श इंटर कॉलेज तिलपता ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्धनगर में बने मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। मतदान केंद्र पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान चल रहा है तथा लोग घरों से निकलकर अपने मत का प्रयोग कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने सभी से अपील करते हुए कहा है कि ज्यादा से ज्यादा मतदाता घरों से निकालकर अपना मत का प्रयोग करें तथा लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के जेवर विधानसभा में वोटरों में उत्साह देखा गया। रबूपुरा क्षेत्र के भाईपुर गांव में दिव्यांग कौशल शर्मा मतदान करने के लिए पहुंचे। गौड़ इंटरनेशनल स्कूल में सुबह-सुबह बूथ खाली दिखाई दिए, जबकि यहां पर पहले सबसे अधिक भीड़ रहती थी। बिलासपुर स्थित राजिंदर इंटर कॉलेज में अन्दर व बाहर सुनसान की स्थिति है। मात्र एक बूथ पर ही वोटर हैं। बीएलओ की लापरवाही के कारण कंट्रोल रूम में फोन की घंटी बज रही हैं, लिस्ट में नाम नहीं होने की शिकायत आ रही है।

वोट डालने आया..

बोड़की में बूथ नंबर 446 की ईवीएम मशीन खराब हो गई है। इससे मतदान प्रभावित हुआ। उधर, मिहिर भोज में मतदाताओं की लंबी लाइन लगी है। रन्हेरा गांव में मतदान के बहिष्कार के बीच वोट डालना शुरू हो गई हैं।

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र में मतदान के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सभी मतदान केंद्रों पर पुलिस और अर्धसैनिक बल तैनात किए गए हैं। वहीं दिल्ली और प्रदेश के दूसरे जिलों से लगी सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस की टीम नोएडा-ग्रेटर नोएडा में करीब दो हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों से निगरानी कर रही है। सेक्टर-12 के बूथ नंबर 93 में सुबह से ईवीएम मशीन खराब है वही मामूरा के बूथ नंबर 611 में भी ईवीएम मशीन खराब होने की सूचना मिली इसके कारण मतदान बाधित हुआ। बाबा मोहन राम शर्मा (उम्र 97) ने भी अपना वोट राष्ट्रहित में डाल दिया है आप भी निकले और मतदान अवश्य करे। सेक्टर 150 में भी ईवीएम मशीन खराब होने की सूचना मिल रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सचिव पुरूषोत्तम नागर ने अपने गांव बिशनपुरा के बूथ पर वोट दिया।

नोएडा सीट पर तेजी...

ग्रेटर नोएडा शहर तथा ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मतदान का प्रतिशत सामान्य देखा जा रहा है। बुलंदशहर जिले में पड़ने वाली खुर्जा विधानसभा तथा सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र में मतदान अधिक हो रहा है। तीसरे नंबर पर जेवर क्षेत्र का मतदान प्रतिशत है। विश्लेषक मान रहे हैं कि जेवर, सिकंदराबाद तथा खुर्जा क्षेत्र में हाथी की गति कमल के फूल को खिलने से रोकने का भरपूर प्रयास कर रही है ।

गाजियाबाद में पोलिंग...

के लिए दिया है। कविनगर निवासी अगम मित्तल कनाडा से वोट देने गाजियाबाद पहुंचे हैं, वह कनाडा में पढ़ते हैं। गाजियाबाद में पूर्व राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार बालेश्वर त्यागी ने परिवार के साथ होली चाइल्ड स्कूल में वोट डाला। विजयनगर स्थित जेकेजी इंटर कॉलेज में बनाए गए पोलिंग बूथ पर भी मतदाताओं की अच्छी-खासी कतार देखी गई।

गाजियाबाद के लोनी के सरस्वती इंटर कॉलेज में मतदान करने के लिए मतदाता सुबह से ही लाइन में लग गए। मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

भाजपा उम्मीदवार अतुल गर्ग ने डाला वोट

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में नोएडा-गाजियाबाद समेत उत्तर प्रदेश की 8 सीट पर वोटिंग शुरू हो गई है। वहीं, गाजियाबाद की सीट से बीजेपी प्रत्याशी अतुल गर्ग ने अपना मत डाल दिया है। उन्होंने कहा, 'मैंने आज अपना वोट डाल दिया है। मुझे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। मैं अब निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करूंगा. वोट देना देश की सेवा करने का एक अवसर है...'।

यूपी की 8 सीटों...

मतदान फिर जलपान का प्रण लेकर देशवासी वोट देने निकलें। लोकसभा चुनाव में इस बार के मतदान में मेरठ के खरखौदा क्षेत्र में अधिकतर बूथ खाली पड़े हैं। जिस बूथ पर करीब 1500 से अधिक का पोलिग है वहां 11 बजे से पहले ही बूथ खाली पड़े हैं। लोग इस मतदान में कम ही रुचि लेते दिखाई दे रहे हैं। मतदान में जहां त्यागी समाज, दलित, गुर्जर व अन्य सभी बिरादरियों में बिखराव नजर आ रहा है।

खरखौदा क्षेत्र के दलित समाज का बोट बसपा के साथ है वहीं इसी समाज का युवा वोटर अपने समाज के प्रत्याशी सुनीता वर्मा के पक्ष में वोट करता नजर आ रहा है। उधर त्यागी समाज के वोटर का बड़ा हिस्सा भाजपा पार्टी से जुड़ा है और प्रत्याशी अरुण गोविल के पक्ष में मतदान कर रहा है।

वहीं त्यागी समाज के कुछ लोगों का कहना है कि सामाजिक पार्टी हित से पहले देश हित है। उधर गुर्जर समाज के वोटर का कहना है कि यदि सपा पार्टी से अतुल प्रधान को टिकट होता तो समाज का काफी बड़ा हिस्सा उसके साथ होता लेकिन अब गुर्जर समाज का काफी बड़ा हिस्सा बीजेपी के समर्थन में मतदान कर रहा है।

मतदान में मेरठ की महिलाएं बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। मेरठ के केएल इंटरनेशनल स्कूल में बने बूथ पर मतदान के बाद हिमानी बोलीं शहर व देश का कराना है, विकास तो महिलाओं को वोट डालने के लिए आगे आना होगा। वहीं शहर के आरजी इंटर कॉलेज में बने बूथ पर फर्स्ट वोटर तेजस्वी त्यागी ने कहा कि पहला वोट था ईवीएम मशीन पर बटन दबाया। रोजगार, सफाई के मुद्दे पर वोट दिया।

मतदान का बहिष्कार

अलीगढ़ में जवां के ग्राम सीयेपुर और सूरजपुर में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार कर दिया है। सुबह 9:45 तक ग्रामीणों ने मतदान नहीं किया। थाना खैर अंतर्गत गांव गढ़ी मथना से चुनाव बहिष्कार की खबर आई है। पिछले दो साल में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत होने के बाद भी उस लाइन को न हटाए जाने से लोग नाराज हैं। ग्रामीणों को मनाने में अधिकारी जुटे हैं। एसडीएम और एसडीओ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को आश्वासन देने के बाद पहला वोट 10:05 पर डाला गया।

भाकियू (बलराज) संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी ने आज अपने गांव शहदरा में वोट डाला।

सेक्टर-81 स्थित शिव मंदिर प्रागंण में हो रहे श्रीराम कथा में मुख्य यजमान सुभाष भाटी एवं उनकी धर्म पत्नी आहूति डालते हुए।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं शहदरा गांव निवासी नवीन भाटी ने आज अपने परिवार के साथ मतदान किया।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अ निश्चित कालीन धरना सेक्टर 142 नोएडा शहदरा गांव में आज 73वे दिन भी जारी रहा।

चार मोबाइल टॉवरों से कीमती उपकरण चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। शहर में लगे मोबाइल टॉवर चोरों के निशाने पर हैं। चोर आए दिन जगह-जगह लगे मोबाइल टावरों से आरआरयू सहित कीमती उपकरणों को चोरी कर रहे हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरों ने चार मोबाइल टावर पर चोरी की वारदात को अंजाम देकर आरआरयू व अन्य उपकरण चोरी कर लिए।

थाना सेक्टर-142 क्षेत्र में शिवम इन्फोकॉम प्राइवेट लिमिटेड के टेक्नीशियन प्रदीप कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी कंपनी का एक टावर सेक्टर-137 स्थित सुपरटेक सोसायटी के सामने ग्रीन बेल्ट में लगा हुआ है। 9 अप्रैल को मोबाइल टॉवर से आरआरयू व सहायक उपकरण चोरी हो गए। प्रदीप कुमार ने बताया कि सेक्टर-145 की ग्रीन बेल्ट में लगे टावर से भी दो आरआरयू व अन्य सहायक उपकरण चोरी हो गए।

शिवम इन्फोकॉम प्राइवेट लिमिटेड के टेक्नीशियन पुष्पेंद्र कुमार ने थाना बिसरख में दो मोबाइल टावर से आरआर युवा कीमती उपकरण चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। टेक्नीशियन पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि इटेडा में विजयपाल यादव के मकान की छत पर लगे टावर से दो आरआरयू चोरी हो गए। इसके अलावा सेक्टर एक स्थित स्टेलर जीवन सोसायटी के सामने ग्रीन बेल्ट में लगे टावर से आरआरयू चोरी हो गया। पुलिस ने कंपनी के टेक्नीशियन की शिकायत पर दर्ज कर लिया है।

बता दें कि मोबाइल टावरों से कीमती सामान चोरी की घटनाएं थम नहीं रही हैं। पुलिस पूर्व में भी कई गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में आरआरयू की बरामदगी कर चुकी है। इसके बावजूद भी चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

गोदाम से लाखों का सामान चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के धर्मपाल मार्केट में एक गोदाम से चोरों ने लाखों रुपए का बोरिंग का सामान चोरी कर लिया। चोर बोलोरो पिकअप में सामान को भरकर ले गए। जमाल कॉलोनी में रहने वाले रविंद्र कुमार ने बताया कि वह सबमर्सिबल की बोरिंग का काम करता है। बोरिंग का सामान रखने के लिए उसने धर्मपाल मार्केट में एक गोदाम ले रखा है। 21 अप्रैल की रात्रि को चोरों ने गोदाम का ताला तोड़कर लोहे के 21 पाइप, दो बोगी, 6 पाइप, तिपाई व अन्य औजार चोरी कर लिए। अगले दिन जब वह गोदाम पर पहुंचा तो उसे इस चोरी की घटना की जानकारी मिली। पड़ोस में लगे सीसीटीवी देखने पर पता चला कि देर रात्रि में चोर गोदाम का ताला तोड़कर बोलेरो पिकअप में सामान भरकर ले गए हैं पाइप।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं0: SIG-WS-Cont-AGC-99A   दिनांक: 24.04.2024

निविदा सूचना (सिंगल-पैकेट सिस्टम)

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभि/निर्माण/उत्तर मध्य रेलवे, आगरा द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये सिंगल-पैकेट सिस्टम पर खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। यदि निविदा खुलने की तारीख पर अवकाश घोषित होता है या तकनीकी वजह से निविदा तय तिथि पर नहीं खुलती है तो निविदा अगले कार्य दिवस पर खोली जाएगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

कार्य का नाम: एन.सी.रेलवे पर आगरा डिवीजन के **धौलपुर-सिरमुत्रा** खंड में सिंगल लाइन के प्रावधान के साथ गेज परिवर्तन के संबंध में ओएफसी और क्वाड बिछाने और **एसटीएम और पीडी मक्स** की आपूर्ति और स्थापना के साथ इनडोर और आउटडोर दूरसंचार कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 46534918.43/-, **धरोहर राशि:** रु. 382700.00/-, **निविदा प्रपत्र राशि:** कुछ नहीं, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 माह, **निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता:** निविदा प्रपत्र वेब पोर्टल www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे। **निविदा जमा करने की अन्तिम तारीख एवं समय:** दिनांक 16.05.2024 15:00 बजे से पहले तक, **निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** दिनांक 16.05.2024 15:30 बजे, **निविदा खुलने का स्थान:** निविदा उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभि/निर्माण उत्तर मध्य रेलवे आगरा के कार्यालय में खोली जायेगी। **ऑफर की वैधता:** खुलने की तिथि से 60 दिन तक, **निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार:** रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित हैं।

बिना धरोहर राशि के निविदायें निरस्त कर दी जायेंगी। निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं। www.ireps.gov.in पर आमंत्रित किसी भी निविदा में भाग लेने के लिए इच्छुक निविदाकारों को www.ireps.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। विस्तृत विवरण वेबसाइट पर अवश्य देखें। 736/24(K)

@CPRONCR @northcentralrailway North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2024 की संख्या में वृद्धि

पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन स्पेशल रेल सेवाओं के साथ-साथ निम्नलिखित अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन रेल सेवाएँ भी निम्नानुसार संचालित की जायेंगी:-

01015/01016 दादर-गोरखपुर-दादर विशेष एक्सप्रेस (सप्ताह में 2 दिन) — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01015 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01016 आगमन	प्रस्थान
---	23:30	दादर	00:25	---
04:20	04:30	लखनऊ	19:45	19:55
09:30	---	गोरखपुर	---	15:30

चलने के दिन: 01015 दादर से 27.04.2024 से 04.05.2024 (शनिवार, बुधवार) तक। और 01016 गोरखपुर से 29.04.2024 से 06.05.2024 (सोम., शुक्र.) तक।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य
ठहराव: ठाणे, कल्याण जं., इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल जं., खांडवा, इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., उरई, कानपुर सेन्ट्रल, लखनऊ, गोंडा एवं बस्ती स्टेशन।

01427/01428 लोकमान्य तिलक(टर्मि.)-गोरखपुर-लोकमान्य तिलक(टर्मि.) एक्सप्रेस विशेष — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01427 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01428 आगमन	प्रस्थान
---	23:50	लोकमान्य तिलक(टर्मि.)	00:25	---
04:20	04:30	लखनऊ	19:45	19:55
09:30	---	गोरखपुर	---	15:30

चलने के दिन: 01427 लोकमान्य तिलक(टर्मि.) से 26.04.2024 एवं 01.05.2024 को और 01428 गोरखपुर से 28.04.2024 एवं 03.05.2024 को।
स्थान: शयनयान एवं सामान्य;
ठहराव: ठाणे, कल्याण जं., इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल जं., खांडवा, इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., उरई, कानपुर सेन्ट्रल, लखनऊ, गोंडा एवं बस्ती स्टेशन।

01411/01412 पुणे-गोरखपुर-पुणे विशेष एक्सप्रेस — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01411 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 01412 आगमन	प्रस्थान
---	06:30	पुणे	06:40	---
09:35	09:40	लखनऊ	23:50	23:55
14:50	---	गोरखपुर	---	18:20

चलने के दिन: 01411 पूणे से 27.04.2024 को और 01412 गोरखपुर से 28.04.2024 को।; स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य;
ठहराव: हडपसर, दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल जं., खांडवा, इटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., उरई, कानपुर सेन्ट्रल, लखनऊ, गोंडा एवं बस्ती स्टेशन।

02250/02249 दिल्ली जं.-पटना जं.-दिल्ली जं. विशेष एक्सप्रेस — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02250 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 02249 आगमन	प्रस्थान
---	19:30	दिल्ली जं.	05:40	---
11:45	---	पटना जं.	---	13:00

चलने के दिन: 02250 दिल्ली जं. से 27.04.2024 को और 02249 पटना जं. से 28.04.2024 को।
स्थान: 3 टियर वाता. एकोनॉमी; ठहराव: कानपुर सेन्ट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा स्टेशन।

09478 पटना जं.-साबरमती विशेष एक्सप्रेस — 01 फेरा

रेलगाड़ी सं. 09478 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन
---	11:30	पटना जं.
22:45	22:55	लखनऊ
19:40	---	साबरमती

चलने के दिन: 09478 पटना जं. से 27.04.2024 को
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य; ठहराव: आरा, बक्सर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., वाराणसी, जौनपुर सिटी, सुलतानपुर, लखनऊ, कानपुर सेन्ट्रल, टूण्डला जं., आगरा फोर्ट, अछनेरा जं., भरतपुर जं., बाँदीकुई जं., जयपुर, फुलेरा जं., अजमेर जं., आबू रोड, पालनपुर जं. एवं महेसाना जं. स्टेशन।

08481/08482 पुरी-आनन्द विहार(टर्मि.)-पुरी विशेष एक्सप्रेस (साप्ताहिक) — 18 फेरे

रेलगाड़ी सं. 08481 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 08482 आगमन	प्रस्थान
---	23:45	पुरी	21:30	---
09:50	---	आनन्द विहार(टर्मि.)	---	11:50

चलने के दिन: 08481 पुरी से 29.04.2024 से 24.06.2024 (सोमवार) तक और 08482 आनन्द विहार(टर्मि.) से 01.05.2024 से 26.06.2024 (बुधवार) तक
स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य;
ठहराव: साक्षीगोपाल, खोरधा रोड, भुवनेश्वर, कटक, जखपुरा, हरिचन्दनपुर, केन्दुझरगढ़, बांशपानी, डांगोवापोसी, चाईबासा, चाण्डिल, मूरी, बोकारो स्टील सिटी, एनएससी गोमोह, कोडरमा, गया, सासाराम, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., प्रयागराज, कानपुर सेन्ट्रल एवं टूण्डला स्टेशन।

04672 जम्मू तवी-नई दिल्ली विशेष एक्सप्रेस — 01 फेरा

रेलगाड़ी सं. 04672 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन
---	17:35	जम्मू तवी
04:20	---	नई दिल्ली

चलने के दिन: 04672 जम्मू तवी से 27.04.2024 को
स्थान: 3 टियर वाता.; ठहराव: पठानकोट कैंट, जलंधर कैंट, लुधियाना, धूरी, जाखल, जीन्द, रोहतक एवं शकूरबस्ती स्टेशन

04221 वाराणसी-दिल्ली जं. विशेष एक्सप्रेस — 01 फेरा

रेलगाड़ी सं. 04221 आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन
---	19:20	वाराणसी
10:55	---	दिल्ली जं.

चलने के दिन: 04221 वाराणसी से 27.04.2024 को
स्थान: 3 टियर वाता.,
ठहराव: भदोही, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., अमेठी, राय बरेली जं., लखनऊ, हरदोई, शाहजहांपुर जं., बरेली, मुरादाबाद, हापुड़ जं. एवं गाजियाबाद स्टेशन

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
1246/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गौतमबुद्धनगर में लोकतंत्र का पर्व

नोएडा के सेक्टर-100 में 80 वर्षीय महिला उर्मिला ने अपने मत का उपयोग करवाकर अपना फर्ज अदा किया। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन वोट डालने के बाद उत्साहित दिखाई दिए।

नोएडा में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव रहे राजेन्द्र कुमार तिवारी ने मतदान किया। उन्होंने कहा कि वोट डालने का सौभाग्य मिला है। मेरा देश और देशवासी संपन्न और विकसित हों।

गौतमबुद्धनगर में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान आज वोट डाले जा रहे हैं। गौतमबुद्धनगर लोकसभा में दोपहर तक 35.73 प्रतिशत मतदान हो चुका था। मतदान को लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दादरी, जेवर, खुर्जा व सिकन्द्राबाद में मतदाताओं में भारी उत्साह है। कैमरे की नजर से देखें लोकतंत्र के इस पर्व में मतदाताओं का उत्साह।

ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर युवक ने की थी आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। बरौला गांव में 3 दिन पूर्व युवक द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में सनसनीखेज मामला सामने आया है। आपत्तिजनक फोटो वायरल करने की धमकी देकर युवक को ब्लैकमेल किया जा रहा था। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर ही युवक ने आत्महत्या की थी। युवक के पिता ने थाना सेक्टर-49 में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

मूलरूप से पुष्पांजलिनगर भातापुर प्रयागराज निवासी फूलचंद गुप्ता ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा अभिषेक राज गुप्ता बरौला गांव में किराए पर रहता था। बीते 23 अप्रैल को वह अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। फूलचंद गुप्ता के मुताबिक उनके बेटे अभिषेक राज गुप्ता को पिछले कुछ दिनों से अज्ञात लोगों द्वारा फोन एवं ईमेल द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा था। उसके ईमेल आईडी और फोन नंबर के व्हाट्सएप पर मैसेज द्वारा उसे धमकाकर ब्लैकमेल कर पैसों की मांग की जा रही थी। पैसे ना देने पर उसके बेटे की आपत्तिजनक फोटो रिश्तेदारों को भेजने तथा सोशल मीडिया पर वायरल करने की भी धमकी दी जा रही थी। इन धमकियों से अभिषेक राज गुप्ता डिप्रेशन में आ गया उसने अपनी परेशानी का जिक्र परिजनों से किया। फूलचंद गुप्ता के मुताबिक जब तक वह इस समस्या का हल निकालते तब तक उनका बेटा इस कदर डिप्रेशन में आ चुका था कि उसने बदनाम होने के भय से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पीड़ित के मुताबिक अज्ञात लोगों की धमकियां तथा बदनामी के भय की वजह से ही उनके बेटे ने आत्महत्या की है। पीड़ित ने पुलिस को कुछ फोन नंबर भी उपलब्ध कराए हैं जिनसे उसे ब्लैकमेल किया जा रहा था।

सुप्रीम फैसला : पर्चियों के सत्यापन की याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के वोटों की वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियों से 100 फीसदी सत्यापन की मांग वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने बैलेट पेपर से मतदान कराने वाली याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दो निर्देश दिए हैं- पहला यह है कि सिंबल लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद सिंबल लोडिंग यूनिट (एसएलयू) को सील कर दिया जाना चाहिए और उन्हें कम से कम 45 दिनों के लिए सहेज कर रखा जाना चाहिए। इसके अलावा दूसरा निर्देश यह है कि उम्मीदवारों के पास परिणामों के एलान के बाद इंजीनियरों की एक टीम की ओर से जांचे जाने वाले ईवीएम के माइक्रोकंट्रोलर प्रोग्राम को पाने का विकल्प होगा। इसके लिए उम्मीदवार को नतीजों के एलान के सात दिनों के अंदर आवेदन करना होगा। इसका खर्च भी उम्मीदवार को खुद को उठाना होगा।

माता वैष्णो देवी के दर्शन को गया परिवार, चोरों ने घर किया साफ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी के रूपवास गांव में रहने वाला एक परिवार माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए जम्मू गया था। इस दौरान चोरों ने मौका पाकर उनके घर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया है। चोर उनके घर से लाखों रुपए के जेवरात, नगदी व कीमती सामान चोरी कर ले गए।

ग्राम रूपवास निवासी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि वह अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ 14 अप्रैल को माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए गया था। 19 अप्रैल की रात को चोर घर के दरवाजे का कुंडा तोड़कर अंदर घुस गए और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। विनोद कुमार सिंह के मुताबिक उसके पड़ोसी ने 20 अप्रैल की शाम को सूचना दी कि उसके घर के दरवाजे का कुंडा टूटा हुआ पड़ा है। धार्मिक यात्रा को बीच में छोड़कर वह परिवार सहित घर पहुंचा तो उसे सारा सामान बिखरा हुआ मिला। घर का सामान जांचने पर पता चला कि चोर घर से कुंडल, मंगलसूत्र, सोने के चेन, दो अंगूठी, पाजेब, साड़ी, पीतल की परात, 28 हजार रुपए व अन्य कीमती सामान को चोरी कर ले गए हैं। थाना दादरी प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

वहीं थाना सेक्टर-39 में सेक्टर-100 में रहने वाले मोहम्मद बारिक ने घर में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक 17 अप्रैल की रात्रि को चोरों ने उसके घर में घुसकर कपड़े मोबाइल चोरी कर लिए। घटना के समय वह और उसका परिवार मकान में सो रहा था।

World cup: पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें फाइनल में, बोम्मदेवरा ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में किया सुधार

शंघाई, एजेंसी।
भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। महिला वर्ग में मौजूद विश्व चैंपियन भारत ने तुर्किये और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया।

भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने सत्र के शुरुआती तीरंदाजी विश्व कप के फाइनल में जगह बनाकर देश का पदक पक्का कर दिया। इसके साथ ही धीरज बोम्मदेवरा ने पुरुषों के रिकर्व क्वालिफिकेशन राउंड में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ तीसरा स्थान हासिल किया।

पुरुष टीम का फाइनल में नीदरलैंड से सामना

अनुभवी अभिषेक वर्मा, उभरते हुए तीरंदाज प्रथमेश भालचंद्र फुगे और मौजूदा अंडर-21 विश्व चैंपियन प्रियांश की चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष टीम ने फिलीपींस और डेनमार्क को शिकस्त देने के बाद सेमीफाइनल में कोरिया की मजबूत चुनौती को खत्म की। भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। भारतीय पुरुष टीम ने करीबी मुकाबले में कोरिया को 235-233 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस मुकाबले के शुरुआती दो दौर के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी, लेकिन भारत ने 59 के स्कोर के साथ कोरिया को पछाड़ा।

महिला टीम की भिड़ंत इटली से होगी

महिला वर्ग में मौजूद विश्व चैंपियन भारत ने तुर्किये और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के सामने फाइनल में इटली की चुनौती होगी। मौजूदा अंडर-18 और सीनियर चैंपियन अदिति स्वामी, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर की तिकड़ी ने अपने शुरुआती दो मैचों में सिर्फ 10 अंक गंवाए।

उसैन बोल्ट आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के ब्रांड एम्बेसडर बने

नईदिल्ली, एजेंसी।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ओलिंपिक लिजेंड उसैन बोल्ट को आगामी आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया है। टी-20 वर्ल्ड जो 1-29 जून 2024 तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। 11 बार के वर्ल्ड चैंपियन बोल्ट वेस्टइंडिज के जमैका से हैं। उन्होंने 2017 में लंदन वर्ल्ड चैम्पियनशिप के बाद संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने आखिरी टूर्नामेंट में सिल्वर मेडल जीता था।

बोल्ट ने कहा, मैं आगामी टी-20 वर्ल्ड कप का ब्रांड एम्बेसडर बनकर रोमांचित हूं। इस खेल ने हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखा है, और मैं वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज मैचों में भाग लेने और वर्ल्ड लेवल पर क्रिकेट के डेवलेपमेंट में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं। हालांकि मैं निश्चित रूप से वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस गेम को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा स्पोर्ट मार्केट है और टी-20 वर्ल्ड कप के लिए हम जो करेंगे, वह 2028 में रु ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका है।

बोल्ट ने 100 मीटर रेस 9.58 सेकंड और 200 मीटर रेस 19.19 सेकंड में पूरी की थी। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड है। बोल्ट ने 3 ओलिंपिक में 8 गोल्ड जीते थे। इनमें से 2008 बीजिंग ओलिंपिक में 2, जबकि 2012 लंदन ओलिंपिक और 2016 रियो ओलिंपिक में 3-3 गोल्ड जीते थे।

जमैका में जन्मे बोल्ट बोल्ट ने अपना बचपन भाई के साथ गली में क्रिकेट और फुटबॉल खेलकर बिताया। 12 साल की उम्र तक उन्होंने यह तो सोच लिया था कि खेल में ही करियर बनाना है, लेकिन किस खेल में बनाना है, यह तय नहीं कर पा रहे थे।

आईपीएल 2024
डीसी के खिलाड़ी पर बीसीसीआई का एक्शन

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज रसिख सलाम दार पर बुधवार 24 अप्रैल, बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के दौरान अत्यधिक जश्न मनाने के लिए जुर्माना लगाया गया है। डीसी ने आखिरी ओवर के रोमांचक मुकाबले में 4 रन से जीत दर्ज की और अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को बरकरार रखा। डीसी ने पहले बैटिंग करते हुए 224 रन बनाए थे, इस स्कोर के सामने जीटी निर्धारित 20 ओवर में 220 ही रन बना सकती थी।

रसिख ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है। इसमें ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करना शामिल है जो अपमान करते हैं या जो किसी अन्य खिलाड़ी की आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़का सकते हैं।

आईपीएल की प्रेस रिलीज के अनुसार दार ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 का अपराध किया है। उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया है और मैच रेफरी की मंजूरी स्वीकार कर ली है। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है। रसिख सलाम ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार गेंदबाज की थी, 4 ओवर के कोटे में उन्होंने 44 रन खर्च कर साई सुदर्शन, शाहरुख खान और साई किशोर के रूप में तीन बड़ी विकेट चटकाई थी। बात मुकाबले की करें तो, टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने कप्तान ऋषभ पंत की 88 रनों की नाबाद पारी के दम पर निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 224 रन बोर्ड पर लगाए। इस स्कोर का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम 20 ओवर में 220 के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब रही। जीटी की ओर से साई सुदर्शन ने 65 तो डेविड मिलर ने 55 रनों की पारी जरूर खेली, मगर वह अपनी टीम को जीत की दहलीज पार नहीं करा पाए। दिल्ली के लिए रसिख दार सलाम ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए।

पंत को टी20 विश्व कप टीम में होना चाहिए: संजय मांजरेकर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि ऋषभ पंत वो काम कर सकते हैं जो ज्यादातर भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज नहीं कर सकते और इसलिए उन्हें टी20 विश्व कप टीम में होना चाहिए। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 44 रन की पारी खेलने के बाद पंत ने बुधवार रात गुजरात टाइटंस के खिलाफ 204.6 के स्ट्राइक रेट से आठ छक्के और पांच चौके लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनकी 43 गेंदों में 88 रन की पारी ने डीसी को गुजरात के खिलाफ 4 विकेट पर 224 रन तक पहुंचाया।

जब पंत ने अक्षर पटेल के साथ हाथ मिलाया तो डीसी 3 विकेट पर 44 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी और दोनों बल्लेबाजों ने 68 गेंदों में 113 रन जोड़े। संजय मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर कहा, ÷हम जिस कारण से इस पर बहस कर रहे हैं उसका एकमात्र कारण हमारे पास मौजूद विकल्प है। एक विकल्प के रूप में संजू सैमसन और केएल राहुल हैं, दोनों बहुत ही रोमांचक हैं लेकिन बात ऋषभ पंत की है और यही कारण है कि मैं 15 में, प्लेइंग 11 में भी हर समय उनका समर्थन करूंगा, बड़े मंच पर आएं, सेमी- टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल, यह वह व्यक्ति है जो 60 गेंदों में शतक लगाएगा और मैच जीतेगा।

उन्होंने कहा, अब यह कुछ ऐसा नहीं है जिसे भारतीय टीम में बहुत से लोग करेंगे। हमने देखा है कि भारतीय टीम फाइनल राउंड में पहुंची और बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, ऋषभ पंत स्वभाव से एक अलग तरह के स्थान पर हैं जहां आप जानते हैं कि इस तरह का मंच, उन्हें और अधिक फलने-फूलने की अनुमति देता है। वह उस तरह की स्थिति में आराम करते हैं।

यह पंत का 2024 आईपीएल सीज़न का सर्वोच्च स्कोर था क्योंकि उन्होंने पहले ही नौ मैचों में 48.86 की औसत के साथ तीन अर्धशतक सहित 342 रन बनाए हैं। उनकी 88 रनों की तूफानी नाबाद पारी ने टी20 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज के स्थान की लड़ाई में स्टार बल्लेबाज का पक्ष लिया है। भारत के एक अन्य पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने पंत के प्लेइंग इलेवन में शामिल होने को लेकर आश्वस्त थे और कहा, ÷वह मेरे प्लेइंग 11 में हैं। आज से पहले, मुझे लगता है कि हमने खेल से पहले भी यह बातचीत की थी और मैंने बिना किसी संदेह के कहा था कि ऋषभ पंत मेरी प्लेइंग 11 में आता है। दीप दासगुप्ता ने कहा, डेढ़ साल पहले जो कुछ हुआ उसके बाद आईपीएल शुरू होने से पहले एकमात्र संदेह उनकी फिटनेस का स्तर था। वह किस प्रकार की शारीरिक स्थिति में है और यदि वह फिट है जैसा कि वह है, तो वह फिट से भी बेहतर है। दरअसल, आप जानते हैं कि मैं उनसे क्या बातें कर रहा था. पिछले चार या पांच महीनों में उसका वजन छह किलो कम हो गया है और वह वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा है। तो हाँ, आइए बात करते हैं ऋषभ पंत के बारे में। मेरा मतलब है कि वह अधिक फिट है, वह तेज है, वह बेहतर बल्लेबाजी कर रहा है। बिना किसी संदेह के, जहां तक मेरा सवाल है, मुझे लगता है कि यह कोई बहस ही नहीं है। 15, हाँ, वह वहाँ है। 1 मई को आईसीसी की सबमिशन की समय सीमा भाग लेने वाली टीमों को 25 मई तक अपने प्रारंभिक चयन में बदलाव करने की अनुमति देती है।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025
पाकिस्तान नहीं जाएगी भारतीय टीम? अब हो गया पक्का! चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले फंसा पेच

नईदिल्ली, एजेंसी।
चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन पाकिस्तान में 2025 में होना है, लेकिन भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के लिए वहां जाएगी या नहीं इस पर कोई अधिकारिक रिपोर्ट नहीं आई है. इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टीम इंडिया वहां खेलने नहीं जाएगी. भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान खेलने नहीं जाती है तो क्या होगा.

इस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान दिया है. एक सूत्र ने कहा, अगर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आधिकारिक तौर पर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी खेलने के लिए अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार करता है तो विकल्पों पर विचार करेगा. दरअसल, हाल में एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें ऐसा कहा गया था कि भारत अगले साल पड़ोसी देश में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगा. सूत्र ने बताया, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी पहले ही कह चुके हैं कि पाकिस्तान भारत के साथ तटस्थ स्थान पर द्विपक्षीय सीरीज खेलने के लिए तैयार है, अगर भारत अगले साल पाकिस्तान में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए सहमत हो . इस सूत्र ने कहा, रोहित शर्मा के बयान और बीसीसीआई के सूत्र पर आधारित रिपोर्ट पर स्पष्ट विरोधाभास है.

इससे साफ पता चलता है कि अगर बात क्रिकेट की हो तो खिलाड़ी इच्छुक हैं और उन्हें घरेलू मैदानों पर एक-दूसरे के साथ खेलने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन भारत का राजनीतिक नेतृत्व है, जो ऐसा नहीं करना चाहता है.

आईपीएल:2024
मोहित ने आईपीएल का सबसे महंगा स्पेल फेंका

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2024 के 40वें मैच में गुजरात टाइटंस को 4 रन से हराया। अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को गुजरात ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 224 रन बनाए। जवाब में गुजरात 20 ओवर में 8 विकेट पर 220 रन ही बना सकी। जीटी के खिलाफ पहली बार किसी टीम ने इतना बड़ा स्कोर बनाया। डीसी के कप्तान ऋषभ पंत ने 43 बॉल पर 88 रन बनाए। इसमें से उन्होंने 28 रन आखिरी ओवर में मोहित शर्मा के खिलाफ 4 बॉल में स्कोर किए। शर्मा ने आईपीएल का सबसे महंगा स्पेल फेंका।

मोहित शर्मा ने आईपीएल का सबसे महंगा स्पेल फेंका

मोहित शर्मा ने आईपीएल का सबसे महंगा स्पेल फेंका। उन्होंने 4 ओवर में कुल 73 रन दिए, इसमें से 31 रन उनके आखिरी ओवर से आए। मोहित ने एसआरएच के लिए खेल चुके बसिल थंपी का रिकॉर्ड तोड़ा। साल 2018 में एसआरएच प्लेयर थंपी के खिलाफ आरसीबी के बैटर्स ने 70 रन बनाए थे।

IPL में सबसे महंगे बॉलर्स

बॉलर	विकेट रन (ओवर)	टीम	कब
मोहित शर्मा	0/73	GT vs DC	2024
बसिल थंपी	0/70 (4)	SRH vsRCB	2018
यश दयाल	0/69 (4)	GT vs KKR	2023
रीस टॉपली	1/68	RCB vs SRH	2024
इशांत शर्मा	0/66 (4)	SRH vs CSK	2013
मुजीब उर रहमान	0/66 (4)	PBKS vs SRH	2019

Candidates Chess: गुकेश का स्वदेश लौटने पर हुआ भव्य स्वागत

चेन्नई, एजेंसी।
भारतीय ग्रैंडमास्टर ने टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब जीतकर गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश का स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत हुआ। गुकेश टोरंटो में हुए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। गुकेश गुरुवार देर रात चेन्नई पहुंचे जहां एयरपोर्ट पर भारी संख्या में मौजूद प्रशंसकों ने उनका स्वागत किया।

गुकेश की एक झलक पाने को बेताब दिखे फैंस

वेलामल विद्यालय जहां गुकेश पढ़ते हैं वहां के सैकड़ों छात्र एयरपोर्ट पर करीब एक घंटे तक उनका इंतजार करते रहे। इसके अलावा जैसे-जैसे गुकेश की फ्लाइट लैंड होने का समय नजदीक आता गया वैसे-वैसे एयरपोर्ट पर फैंस की भीड़ बढ़ती चली गई। यह युवा शतरंज खिलाड़ी करीब तीन बजे एयरपोर्ट से बाहर आया और उन्हें तुरंत वहां मौजूद फैंस ने घेर लिया। फैंस ने गुकेश को माला पहनाई और पुलिस को उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए मेहनत करनी पड़ी। गुकेश की मां पदमा जो एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं वह भी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गुकेश का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थीं।

एशियन अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को चार मेडल: दीपांशु ने जीता गोल्ड

दुबई, एजेंसी।
दुबई में बुधवार से शुरू हुए अंडर-20 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने पहले दिन एक गोल्ड सहित कुल चार मेडल जीते। जेवलिन में गोल्ड और सिल्वर भारतीय एथलीटों ने झटके, वहीं 1500 मीटर और डिस्कस थ्रो में भी भारत को सिल्वर मेडल मिले। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 24 से 27 अप्रैल तक है। भारत से 31 पुरुषों सहित 60 सदस्यीय टीम इस चैंपियनशिप में भाग ले रहे हैं। यह चैंपियनशिप पेरू के लीमा में 27-31 अगस्त को होने वाली वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप का क्वालिफाइंग भी है।

बुधवार को पहले दिन दीपांशु ने 70.29 मीटर जेवलिन थ्रो कर भारत को पहला गोल्ड दिलाया। वहीं इस इवेंट 70.23 के साथ यूपी के रोहन यादव दूसरे स्थान पर रहे। यूपी के ही प्रियांशु ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में 3ः50.85 सेकेंड के साथ सिल्वर जीता। जबकि कतर के एतौलगाजी ने गोल्ड जीता।

वहीं डिस्कस थ्रोअर रितिक राठी ने सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने पहला थ्रो 49.97 मीटर फेंका। दूसरे प्रयास में उन्हें कोई अंक नहीं मिला। वहीं उन्होंने तीसरे चांस में 52.23 मीटर फेंक कर मेडल की दावेदारी प्रस्तुत किया। चौथे प्रयास में फिर से उन्हें कोई अंक नहीं मिला, जबकि पांचवां चांस में 50.35 मीटर था और उनका अंतिम और छठा प्रयास 53.01 मीटर था।

कतर के जिब्राइन एडौम अहमत को गोल्ड मिला। उन्होंने 54.80 मीटर का थ्रो फेंका था। सऊदी अरब के हसन मुबारक अलहसाई ने 50.41 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। डिस्कस थ्रोअर रितिक राठी ने 52.23 मीटर थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता। डिस्कस थ्रोअर रितिक राठी ने 52.23 मीटर थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता।

लक्षिता, तन्वी और विनोद सैंडलिया 800 मीटर फाइनल में भिड़ेंगे

वहीं बुधवार को 800 मीटर के हीट इवेंट में महिला एथलीट लक्षिता और तन्वी के साथ के साथ पुरुष एथजलीट विरोद सैंडिलया फाइनल में पहुंच गए हैं।

बुधवार को 800 मीटर हीट में लक्षिता 2ः09.39 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि तन्वी मलिक 2ः12.82 के समय के साथ अपनी हीट में चौथे स्थान पर रहीं।

अनुष्का और संगीता, अमन चौधरी 400 मीटर में मेडल की होड़ में शामिल

400 मीटर दौड़ में अनुष्का दत्तात्रेय कुंभार और एसएआई संगीता डोडला फाइनल में पहुंच कर मेडल की उम्मीद को बरकरार रखा है। अनुष्का दत्तात्रेय कुंभार 400 मीटर हीट में पहले स्थान पर रहीं। उन्होंने 55.75 सेकेंड का समय निकाला।

संगीता डोडला ने 56.21 सेकेंड का समय लेकर अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल किया और पोडियम की दौड़ में बनी हुई हैं। पुरुषों की 400 मीटर हीट में अमन चौधरी ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए मेडल राउंड में प्रवेश किया। उन्होंने अपनी हीट में शीर्ष पर पहुंचने के लिए 48 सेकंड का समय लिया।

घर और ऑफिस के कामों की दोहरी जिम्मेदारी का प्रेशर कहीं न कहीं पड़ता अपना रंग दिखाता ही है। वैसे, हाल ही में हुई एक रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि वर्कप्लेस पर ज्यादा स्ट्रेस लेने वाली फीमेल्स में हार्ट संबंधी बीमारियां होने के चांस ज्यादा होते हैं। महिलाओं से जुड़े मुद्दों की जानकार डॉ. रंजना कुमारी का मानना है, आजकल महिलाएं पुरुषों के मुकाबले अपनी काबलियत साबित करने की कोशिश में लगी रहती हैं।

दिल की करें फिक्र

वर्किंग वुमेन को कई फ्रंट्स के चैलेंज फेस करने पड़ते हैं। निजी जिंदगी की जिम्मेदारियां और कुछ कर दिखाने की चाहत से स्ट्रेस में आ जाना बड़ी बात नहीं है। हाल ही में हुई एक रिसर्च बताती है कि वर्कप्लेस पर ज्यादा स्ट्रेस लेने वाली फीमेल्स में हार्ट संबंधी डिजीज होने का रिस्क बढ़ जाता है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि वर्किंग वुमेन को स्ट्रेस झेलना पड़ता है। घर और ऑफिस के कामों की दोहरी जिम्मेदारी का प्रेशर कहीं न कहीं पड़ता अपना रंग दिखाता ही है। वैसे, हाल ही में हुई एक रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि वर्कप्लेस पर ज्यादा स्ट्रेस लेने वाली फीमेल्स में हार्ट संबंधी बीमारियां होने के चांस ज्यादा होते हैं। महिलाओं से जुड़े मुद्दों की जानकार डॉ. रंजना कुमारी का मानना है, आजकल महिलाएं पुरुषों के मुकाबले अपनी काबलियत साबित करने की कोशिश में लगी रहती हैं। इसके चलते उनका तनाव में आना और अपनी हेल्थ पर पूरा ध्यान न दे पाना स्वाभाविक है।

क्या कहती है रिसर्च

हाल ही में अमेरिका की हार्ट असोसिएशन ने खासतौर से फीमेल्स पर यह रिसर्च की। लगभग 17,000 मिड ऐज फीमेल्स पर की गई इस रिसर्च में पता चला है कि जो फीमेल्स अपने वर्क प्लेस पर ज्यादा स्ट्रेस फेस कर रही हैं, उनमें से से 40 पर्सेंट महिलाओं में हार्ट संबंधी बीमारियां और 88 पर्सेंट में हार्ट अटैक के चांस बढ़ गए। इस स्टडी से जुड़ी सीनियर रिसर्चर डॉ. मिशेल ए. एल्बर्ट के मुताबिक, चअभी तक स्ट्रेस और हार्ट डिजीज के संबंध में मेल्स को लेकर ही ज्यादा बातें हुईं। ऐसे में फीमेल्स के बारे में कोई ठोस नतीजे नहीं थे, लेकिन इस रिसर्च के बाद काफी नई बातें सामने आईं। इसमें पता चला कि जिन फीमेल्स को अपनी जॉब जाने का डर सताता है, उनमें हार्ट संबंधी प्रॉब्लम्स का रिस्क कम रहता है। वहीं, जो फीमेल्स जॉब को लेकर ज्यादा सिक्योर फील करती हैं, वह ओवरवेट या हाई ब्लड प्रेशर की शिकार हो सकती हैं।

बदलता लाइफस्टाइल

वैसे, लेडीज की इस हालत के पीछे लाइफस्टाइल और ईटिंग हैबिट्स जैसी कई वजहें हैं। बकौल कार्डियॉलजिस्ट डॉ. के. के. अग्रवाल, चआजकल पुराने तौर-तरीकों को उतनी तव्वजो नहीं दी जाती, बल्कि लाइफस्टाइल बहुत चेंज हो गया है। हर चीज रेडीमेड और क्विक है। जहां कई बार बासी तैयार सामान से जल्दी खाना बना लिया जाता है, वहीं स्मोकिंग-ड्रिंकिंग जैसी आदतें भी चलन में हैं। इतना ही नहीं, कई बार डाइटिंग के चक्कर में कुछ गलत रूल्स को फॉलो कर लिया जाता है ़ ्र एक हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए अच्छा खाना-पीना व एक्सरसाइज के साथ स्ट्रेस को कंट्रोल करना भी आना चाहिए।

ऐसे मैनेज करें स्ट्रेस

देखा जाए, तो घर और ऑफिस के कामों का बंटवारा करके इस स्ट्रेस को कम किया जा सकता है। काउंसिलर अशोक सिंह का मानना है, च अगर घरेलू काम का बंटवारा परिवार के हर सदस्य के बीच में करके चलें, तो काफी हद तक इस फ्रंट का स्ट्रेस मैनेज हो जाता है। ऑफिस के हर काम में खुद को ज्यादा इंवॉल्व करना या अपनी क्षमता से ज्यादा काम लेना ठीक नहीं है। अपने लिए ऐसे टारगेट भी फिक्स ना करें, जिन्हें तय समय में पूरा न कर पाएं। इससे बेवजह प्रेशर पड़ने के अलावा परफॉर्मेंस पर भी बुरा असर पड़ेगा। च कलीग्स के साथ बेहतर तालमेल बैठाकर आप स्ट्रेस से बच सकती हैं। आपकी इस पॉजिटिव अप्रोच को काफी सराहा भी जाएगा।

एक नजर इधर भी ...

कहीं आपको ऐसा, तो नहीं लग रहा कि वर्किंग वुमन होना एक प्रॉब्लम है। ऐसा नहीं है। वर्किंग होने के नाते आप खुद का लिविंग स्टैंडर्ड ऊंचा उठाने के साथ ही बच्चों को भी बेहतर लाइफ दे सकती हैं। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में हुई एक हालिया स्टडी भी कुछ ऐसा ही बताती है :

- बच्चों को अच्छी हेल्थ मिलने के साथ ही उनकी प्रगति के रास्ते खुलते हैं।
- बच्चों को स्कूल में बिहेवियर संबंधी दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता।
- उनके ऐकडेमिक रिपोर्ट में भी बेहतर प्रदर्शन की संभावना दर्ज की जाती रही है।
- कई बार ऐसी मांएं अपने बच्चों के लिए रोल मॉडल के तौर पर सामने आती हैं।

वास्तुशास्त्र को अपनाकर जीवन में भरें रंग

कई बार घर की समस्याओं को दूर करने के लिए भी वास्तु का प्रयोग किया जाता है वास्तुविज्ञान के नैशनल चैयरमेन तजेंद्र पाल त्यागी ने बताया कि जिस प्रकार अनुलोम-विलोम करने से जिस प्रकार शरीर को आंतरिक सफाई होती है उसी प्रकार 6 माह में एक बार घर को नमक डालकर धोने के बाद ठंडे पानी से धोना चाहिए। जिससे गर्म और ताप गर्म परिवर्तन की वजह से फ्लोर पर जमी हुए नेगेटिव एनर्जी खत्म हो जाती है। यह प्रॉसेस ऑफ स्ट्रेस रिमूवल कहलाता है।

वास्तुशास्त्र का इस्तेमाल आज हर क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है। लोग अपने घरों में सुख, शांति, अच्छी नौकरी, करियर बिजनेस, धन, संपत्ति और स्वस्थ रहने के लिए वास्तु का प्रयोग कर रहे हैं। कई बार घर की समस्याओं को दूर करने के लिए भी वास्तु का प्रयोग किया जाता है वास्तुविज्ञान के नैशनल चैयरमेन तजेंद्र पाल त्यागी ने बताया कि जिस प्रकार अनुलोम-विलोम करने से जिस प्रकार शरीर को आंतरिक सफाई होती है उसी प्रकार 6 माह में एक बार घर को नमक डालकर धोने के बाद ठंडे पानी से धोना चाहिए। जिससे गर्म और ताप गर्म परिवर्तन की वजह से फ्लोर पर जमी हुए नेगेटिव एनर्जी खत्म हो जाती है। यह प्रॉसेस ऑफ स्ट्रेस रिमूवल कहलाता है। यह बिल्कुल उसी तरह है जिस प्रकार व्यक्ति स्ट्रीम बाथ के बाद नॉर्मल बाथ लेकर स्वयं को तरोताजा महसूस करता हैं।

रंग किसी भी इंसान के जीवन में बेहद महत्वपूर्ण होते है जो कि इंसान के जीवन को प्यार से भर देते है। इसी तरह वास्तु में लव कलर्स का चयन करके जीवनर में खुशियां भर देते हैं। उत्तर दिशा में हरे रंग, पश्चिम दिशा में नीले रंग, साउथ में लाल और ईस्ट में पीले रंग का प्रयोग किया जाना अति उत्तम होता है। इन दिशाओं के अंदर यह कलर शामिल किए जाने से वाइबेशन मिलती है। इनसे निकलने वाली फ्रिक्केंसी व्यक्ति की बॉडी से मैच किए जाने से पॉजीटिव एनर्जी मिलती हैं। इसके अलावा वास्तु के अनुसार लाल रंग से खोया हुआ प्यार वापस मिलता है। ऑरेंज कलर शुद्धता का प्रतीक, नीला कलर प्यार बढ़ाने का कार्य, पिंक कलर हमेशा दिमांग को ठंडा रखता हैं। चटख रंगों से रिश्तों में रोमानियत ला सकते हैं।

वास्तु के अनुसार रुम

कपल्स और शादीशुदा जोड़े के बीच आपसी प्यार बढ़ाने के लिए साउथ-ईस्ट में होना चाहिए जबकि हेड ऑफ फैमिली का साउथ वेस्ट में होना चाहिए। छोटे बच्चें का बैडरुम ईस्ट और पैसा कमाने वाले का नॉर्थ में होना चाहिए। एनसीआर रिजन में किचन की दिशा साउथ-ईस्ट में होनी चाहिए। ऐसा किए जाने से पश्चिमी हवा किचन में खाना बनने से इस्तेमाल होनी वाली एनर्जी की दुर्गंध को ईस्ट की खिड़की से बाहर निकाल देती हैं। बताया गया है कि इन डायरेक्शन से इंफ्रारेड रेज आती है। जिससे व्यक्ति की ग्रोथ भी होती है और एनर्जेटिक भी होता हैं। अपने कमरे की दीवारों पर हल्का हरा, हल्का गुलाबी या नीले रंग का पेंट करवाएं। हल्कें रंगों से आपको सुकून का एहसास होगा। कपल्स और शादीशुदा जोड़े कमरे में समुद्र, झरनों या इठलाती नदियों की पेटिंग्स लगा सकते हैं। ऐसी पेटिंग्स कपल्स के बीच रूमानियत पैदा करती हैं। बेडरुम में हमेशा हल्के कलर की बेडशीट और जिसमें फूलों के डिजाइन बने हुए हो। पिंक और रेड कलर की बेडशीट उन लोगों के लिए खासतौर से अच्छी रहती हैं, जो शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं। घर में शांति और प्यार बढ़ाने के लिए बेडरूम हमेशा स्कवेयर और त्रिकोणीय होना चाहिए। साथ ही बेडरूम में रखी हुई चीजें हमेशा साफ-सुथरी होनी चाहिए। उन पर कभी भी धूल नहीं होनी चाहिए।

बेकार सामान को बाहर का रास्ता दिखाएं

वास्तु के अनुसार घर का इंटीरियर जितना खूबसूरत और करीने से लगाया जाएगा, रिश्तों में उतनी ही ताजगी रहेगी। मजबूत और अच्छे रिलेशनशिप के लिए घर पर कभी भी बेकार की चीजों का ढेर नहीं लगाना चाहिए। घर में किताबे, कपड़े और एंटिक चीजों को छोड़कर एक वर्ष से इस्तेमाल नहीं हुई खूबसूरत, जिंदा चीजों को बाहर कर दें या किसी को दान कर दें। ऐसा करने से सोशल एंगल से फायदेमंद होगा बल्कि डिग्री ऑफ फ्रीडम और मूवमेंट को बढ़ावा मिलेगा। डस्ट भी इकट्ठा नहीं होने से आपके दिमाग का भारीपन भी कम होगा।

सोते समय मुंह दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए क्योंकि मनुष्य के अंदर हीमोग्लोबीन में आयरन होता है। आयरन स्वयं ही चुंबकीय गुण रखता है। यह चुंबकीय गुण पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड के साथ मैच करने से ब्लड प्रेशर और ब्लड सर्कुलेशन की बीमारियों से छुटकारा मिलता हैं। स्टडी करने वाले बच्चे का स्टडी रुम पश्चिम दिशा में होना चाहिए। ऐसा करने से सूर्य की लाल किरणें मिलने के कारण बच्चें की पढ़ाई की टेंडेंसी बढ़ती है और चीजों को जल्दी से कवर करता हैं।

पूजा के मंदिर और तुलसी पर भी ध्यान दें

पूजा के मंदिर को उत्तर या पूर्व या उत्तर पूर्व के बीच की दिशा में रखें। ड्राइंग और किचन रुम में भी इसे रखा जा सकता है। पवित्र माने जाने के कारण इसे बैडरु म में रखें जाने से परहेज करें। तुलसी में एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। इसलिए इससे जहरीली कीड़े-मकोड़ो साप और बिच्छू से तो बचाव होता है और शीतलता प्रदान करती हैं। इसलिए इसे उत्तर-पूर्व के बीच की दिशा ईशान कोण के आसपास रखना चाहिए। सूर्य की इंफ्रारेड रेज मिलने से तुलसी की ग्रोथ और बढ़ती हैं।

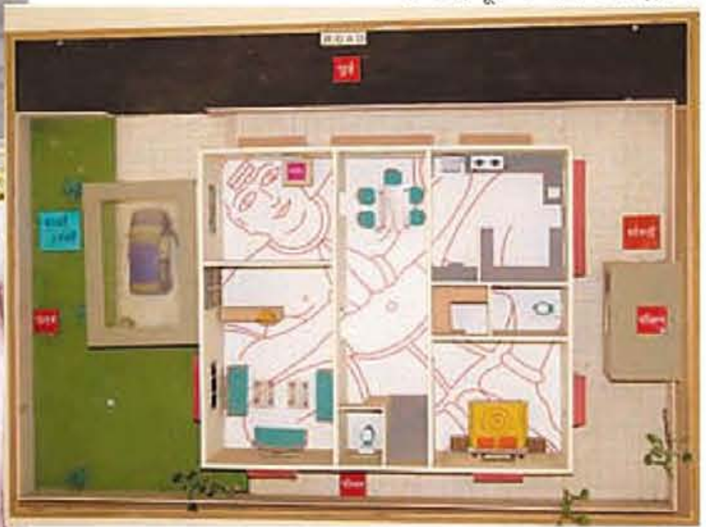

कोशिश करे कि फर्नीचर डिवाइन ज्यूमैट्रिकल रेशों में बने होने के कारण शुभ माना जाता हैं। भारी फर्नीचर ड्राइग टेबिल, अल्मीरा आदि को साउथ और वेस्ट के बीच की दीवार, हल्के फर्नीचर मूड़ा, चेयर और सिंगल सोफा को उत्तर और पूर्व की दीवार से सटाकर रखें। अगर तीन सीट का सोफा है तो साउथ-वेस्ट ओर सिंगल को नॉर्थ और ईस्ट की दीवार पर रखें। क्योंकि इस प्रकार के फनीर्चर रखें जाने से अल्ट्रावॉयलेट रेजों से बचाव होता है। यह रेंज मनुष्य के सेहत से काफी खतरनाक मानी जाती हैं।

कैसे पुरुषों को पसंद करती हैं महिलाएं?

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोज़िशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती हैं। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक इस कन्फ्यूज़न के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फ़ाइनैंशल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहतीं, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर करियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं।

पुरानी सोच का डर

इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।

गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

नजरिया अलग - अलग

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग - अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह इस बात से पूरी तरह सहमत नहीं दिखतीं। श्रुति का कहना है, मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे हज़्बंड को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।

वैसे, बैंक प्रफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, % जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा ? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।

इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।

जानते हैं पुरुष भी

गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। वह मानते हैं कि सही पोस्ट और पैसे से लड़की ही नहीं, बल्कि उसकी फैमिली को इंप्रेस करना भी आसान रहता है और रिश्तों में अनबन की गुंजाइश भी कम होती है। बकौल गौरव, % मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा !

कुछ पुरुष इस मामले को थोड़ा और दूर ले जाते हैं। उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं। सुंदर और सुरक्षित भविष्य की चाहत में सब कुछ जानते हुए भी वे ज्यादा हायतौबा नहीं मचातीं। इस तरह सोसाइटी में उनकी बेइज्जती भी नहीं होती और ऐशोआराम की जिंदगी भी बनी रहती है।

बेटी की लव लाइफ पर चंकी पांडे ने की बात

बॉलीवुड एक्टर चंकी पांडे ने अपनी बेटी अनन्या पांडे की पर्सनल लाइफ पर बात की है। एक इंटरव्यू में चंकी ने कहा है कि वो अपनी 25 साल की बेटी को कंट्रोल नहीं करते और उन्हें अपने फैसले लेने देते हैं। चंकी ने अपने दम पर बॉलीवुड में जगह बनाने के लिए अनन्या की तारीफ की है। एक इंटरव्यू में चंकी से अनन्या के आदित्य रॉय कपूर के साथ रिलेशनशिप को लेकर सवाल किए गए थे। उन्होंने इस बारे में कहा, मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। अनन्या 25 साल की हैं और मुझसे ज्यादा पैसे कमा रही हैं। वे जो चाहें कर सकती हैं। मैं कैसे अपनी 25 साल की बेटी को कुछ कहने की हिम्मत कर सकता हूं।

बेटी के इंटिमेट सींस से नहीं परेशानी

चंकी को फिल्मों में अनन्या के इंटिमेट सींस करने से भी कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं इसमें ओके हूं। मैंने हॉलीवुड फिल्मों में भी ऐसे सींस देखे हैं। इसमें कोई नुकसान नहीं है और हमें ये एक्सेप्ट करना पड़ेगा। चंकी से जब पूछा गया कि क्या उनकी बेटियां उनसे सलाह मांगती हैं तो उन्होंने कहा, मेरी दोनों बेटियां अपनी मां भावना के करीब हैं। जब उन्हें किसी चीज की जरूरत होती है तो वो मुझे कॉल कर लेती हैं। उन्हें जब भी मेरी सलाह की जरूरत पड़े, मैं मौजूद रहता हूं। चंकी ने बेटी अनन्या की तारीफ करते हुए कहा, सबसे बड़ा प्राउड मोमेंट वो था जब उसे अपनी पहली फिल्म मिली। मुझे लगता है कि मेकर्स को लगा था कि वो बहुत छोटी है लेकिन जब उसने ऑडिशन दिया तो उसे फिल्म मिल गई। फैमिली प्रेशर की वजह से मैंने उसका एडमिशन न्यूयॉर्क और लॉस एंजिलिस के कॉलेज में कराया था।

डेटिंग को लेकर सुर्खियों में हैं अनन्या

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या ने 2016 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड डेब्यू किया था, पिछले साल उन्हें 'ड्रीमगर्ल-2' और खो गए हम कहां जैसी फिल्मों में देखा गया था। इन दिनों वे 'कंट्रोल' और 'शंकरा' जैसी फिल्मों की शूटिंग कर रही हैं। लव लाइफ की बात करें तो इन दिनों अनन्या आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही हैं। दोनों ने भले ही अभी तक अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल नहीं किया है पर ये कई मौकों पर साथ नजर आते हैं। यहां तक कि अनन्या ने पिछले साल अपना बर्थडे भी आदित्य रॉय कपूर के साथ मालदीव में मनाया था।

सामंथा ने फहाद फाजिल की आवेशम पर दी प्रतिक्रिया

फहाद फाजिल इस वक्त अपनी हालिया रिलीज फिल्म आवेशम की वजह से चर्चा में हैं। ये फिल्म उन मलयालम फिल्मों की सूची में शामिल हो गई है, जिन्होंने अपने अनोखेपन के कारण पूरे देश भर में चर्चाएं बटोरी हैं। इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में फहाद के अभिनय की काफी सराहना की जा रही है।

फिल्म को पसंद करने वालों की लंबी लिस्ट में मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु भी जुड़ गई हैं। उन्होंने फिल्म देखने के बाद सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। 23 अप्रैल को सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, फिल्म आवेशम में हर तरह का पागलपन था, इसमें जिस तरह का पागलपन है वो मुझे काफी पसंद है। यह फिल्म रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बनी है। हर दूसरे सीन के साथ फिल्म का जॉनर बदलता रहता है। मैं डरी हुई थी, मैं हंस रही थी।

लोगों को फिल्म देखने की दी सलाह

सामंथा ने आगे कहा, कुछ फिल्में सिनेमाघरों के अनुभवों के लिए ही बनी होती हैं। यह भी एक ऐसी फिल्म है। सामंथा ने लिखा, फहाद फाजिल की फिल्म किसी को भी मिस नहीं करनी चाहिए । इस अविश्वसनीय टीम को बधाई। आप लोग सच में एक अदभुत प्रेरणा हो।

तीन दोस्त और एक माफिया की कहानी है आवेशम

आवेशम तीन नौजवानों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने बेंगलुरू आते हैं। वहां इन तीनों की कुछ सीनियर्स के साथ झड़प हो जाती है। इसका बदला लेने के लिए तीनों एक स्थानीय माफिया की मदद लेते हैं। इसके बाद पूरी कहानी रंगा के साथ इनकी बातचीत के आसपास घूमती रहती है। इस फिल्म का निर्देशन जीतू माधवन ने किया है, जो रोमांचम का निर्देशन भी कर चुके हैं। फिल्म 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

शैतानी रस्में में मेरा किरदार वंडर वुमन के साथ काली मां की उग्रता का मिश्रण

शैतानी रस्में में निक्की की भूमिका निभाने वाली नकियाह हाजी अपने नए किरदार माया के लिए नया लुक जारी करेंगी। इस लुक को एक्ट्रेस ने गैल गैडोट की वंडर वुमन के साथ काली मां की उग्रता का मिश्रण करार दिया। एक्ट्रेस ने कहा, शो में मेरे नए किरदार माया के लिए खास लुक है। उनका लुक मॉडर्न और ट्रेडिशनल का मिक्सअप है, जिसमें गैल गैडोट की वंडर वुमन के स्वभाव के साथ काली मां की उग्रता का संयोजन है। नकियाह ने कहा, यह ताकत, रोष और भावना से भरा हुआ है। इस ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरने में मुझे लगभग तीन घंटे लगे, जिसमें बॉडी पेंट लगाना और भारी सामान शामिल था। यह कोई आसान प्रक्रिया नहीं थी, लेकिन मेरे पास एक अद्भुत टीम थी, जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए बेहद प्रयास किए कि सब कुछ सही दिखे। अपकमिंग एपिसोड की ओर इशारा करते हुए, नकियाह ने खुलासा किया कि उनके किरदार निक्की में एक बड़ा बदलाव आया है और वह एक नए रूप में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, वह अब एक ऐसी भूमिका निभा रही है जहां वह अपने परिवार की रक्षा करने के लिए कुछ भी कर सकती है, ठीक उसी तरह जैसे एक शेरनी अपने शावक की रक्षा करती है।

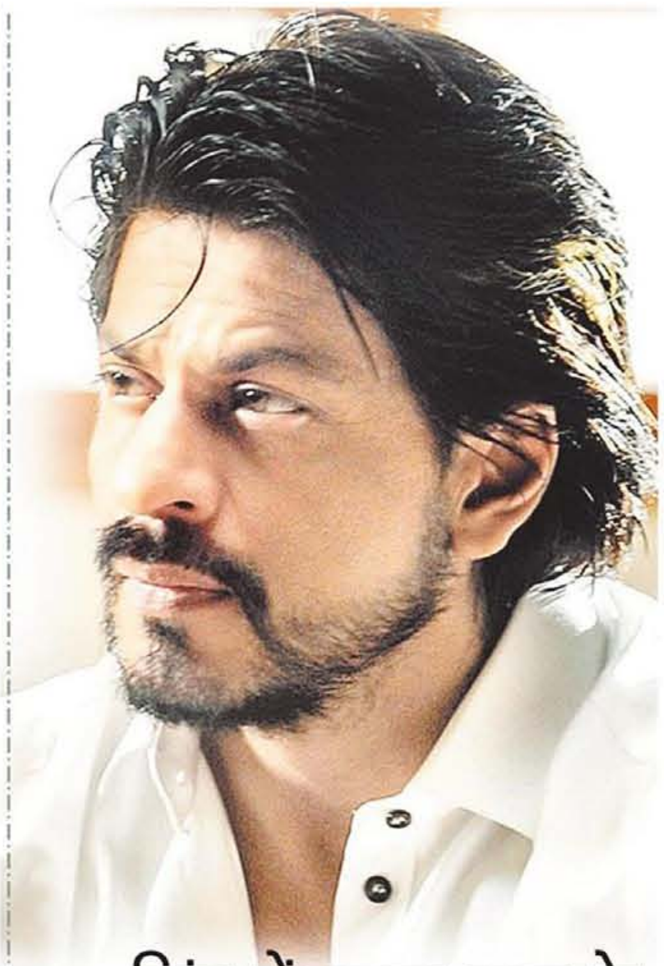

किंग में सुहाना खान के साथ नजर आएंगे शाहरुख, ग्रे शेड लिए होगा किरदार

सुहाना खान ने हाल ही में द आर्चीज' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। दर्शकों ने फिल्म को पूरी तरह से नकार दिया। इस असफलता की उम्मीद किसी को नहीं थी। विशेष रूप से सुहाना खान के पिता शाहरुख खान को। प्राप्त समाचारों के अनुसार अब शाहरुख खान ने स्वयं अपनी बेटी का करियर संवारने की जिम्मेदारी ले ली है। वो सुहाना खान के साथ किंग नामक फिल्म में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह एक एक्शन-ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म को निर्देशक सुजॉय घोष निर्देशित करेंगे। सुजॉय घोष सिद्धार्थ आनंद की प्रोडक्शन कंपनी मार्फिलक्स पिक्चर्स के साथ मिलकर दर्शकों के लिए किंग मूवी लेकर आ रहे हैं। खबर के मुताबिक, पहले इस फिल्म में शाहरुख खान कैमियो करने वाले थे, लेकिन अब खबर है कि शाहरुख इस फिल्म में बेटी सुहाना के साथ लीड रोल में नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक, पिछले कई महीनों में शाहरुख खान की इस फिल्म को कई बार लिखा गया, कई बार पॉलिश किया और अब इस फिल्म की स्क्रिप्ट को बदल कर इस तरह लिखा गया है कि शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ लीड रोल में नजर आएंगे। बता दें, फिल्म से जुड़े सूत्रों के हवाले से ये जानकारी भी सामने आई है कि इस फिल्म में शाहरुख खान सुहाना के पिता का रोल नहीं निभाएंगे। इस फिल्म में शाहरुख सुहाना के मेंटर के रूप में नजर आएंगे। मई के महीने में इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। वहीं, शूटिंग अगस्त या सितंबर में शुरू हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म किंग में शाहरुख को डॉन के किरदार में देखा जायेगा। उका ये किरदार अनोखा और नया होगा जिसका फैंस इंतजार कर रहे थे। खास बात ये है कि शाहरुख लंबे समय बाद एक बार फिर ग्रे शेड्स में नज़र आने वाले हैं। फिल्म किंग में शाहरुख़ खान एक गुरु के रूप में दिखेंगे और सुहाना उनकी शिष्या। दोनों के बीच कुछ एक्शन के इंटेंस सीन भी दिखाए जायेंगे। इस फिल्म के लिए शाहरुख़ खान ने अपना लुक भी पूरी तरह से बदल लिया है। एक्टर किंग में लंबे बालों वाले हेयरस्टाइल और छोटी दाढ़ी के साथ दिखेंगे। उनका ये ग्रे शेड्स वाला रोल इस लुक पर शानदार लगने वाला है। इसके साथ ही फिल्म में उनका स्वैग सारी कमियों को पूरा करने के लिए काफी होगा।

कपिल शर्मा के शो में हुआ खुलासा, आखिर अवॉर्ड शो में क्यों नहीं जाते आमिर

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान कपिल शर्मा के कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आएंगे। शो के मेकर्स ने बुधवार को नया प्रोमो जारी किया, जिसमें एक्टर को शो के कलाकारों के साथ मस्ती करते हुए देखा जा सकता है। आमिर को पिछली बार लाल सिंह चड्ढा में देखा गया था।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आमिर ने कई किस्से भी सुनाए। यह पहली बार है जब आमिर इस शो में नजर आ रहे हैं। वह सीमित जगहों पर ही जाने के लिए जाने जाते हैं। एपिसोड के दौरान, आमिर ने यह खुलासा भी किया कि वह अवॉर्ड शो में क्यों नहीं जाते। उन्होंने कहा कि समय बहुत कीमती है और इसका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसके बाद उन्होंने पीके फिल्म के आइकोनिक रेडियो सीन के बारे में बात की, जहां वह रेलवे ट्रैक पर बिना कपड़ों के दौड़ते हैं। आमिर ने बताया कि वह शो में शॉर्ट्स पहनकर आना चाहते थे लेकिन उनकी टीम ने उन्हें जींस पहनने के लिए कहा। द ग्रेट इंडियन कपिल शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम है।

तापसी और रकुल की शादी मेरे लिए काफी भावुक पल था

एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने खुलासा किया है कि उनकी खास दोस्त तापसी पन्नू और रकुल प्रीत सिंह की शादियों के दौरान उनकी भूमिका सबसे अच्छी थी। तापसी ने 23 मार्च को उदयपुर में अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड मैथियास बो के साथ शादी की, जबकि रकुल ने 21 फरवरी को गोवा में एक्टर-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी के साथ सात फेरे लिए। लक्ष्मी ने बताया कि उन्होंने अपनी दोस्त तापसी और रकुल की शादी में दुल्हन की सहेली की भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, मेरे पास दुल्हन की सहेली की बड़ी जिम्मेदारी थी। रकुल को सेट पर रहना ज्यादा पसंद था। रकुल चाहती थी कि हर कोई समय पर आए, समय पर वहां पहुंचे और समय से तैयार रहे। मुझे लगता है कि वह इसको लेकर काफी गंभीर थी। इसके बाद 46 वर्षीय एक्ट्रेस ने तापसी की शादी के बारे में बात करते हुए इसे कूल बताया। तापसी बिल्कुल ऐसी है, शांत। जब तुम्हें वहां आना हो तो आ जाओ। इसलिए उन दोनों के साथ यह बिल्कुल अलग था। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी शादियों को देखना उनके लिए इमोशनल मोमेंट था। लक्ष्मी ने कहा, उन दोनों की शादी मेरे लिए बहुत इमोशनल मोमेंट था, क्योंकि हमारी दोस्ती 10 सालों से भी ज्यादा समय की है। उन्हें न केवल अपने करियर के साथ, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ के साथ भी पूरी तरह से जुड़ते हुए देखना, मेरा लिए बेहद खास था। मैं बस इतना ही कह सकती हूं।

डिप्रेशन में खुदकुशी के ख्याल आए, मगर हार नहीं मानी

अध्ययन सुमन ने अपने करियर में राज 2, जश्न, हार्टलेस जैसी कई फिल्मों में काम किया मगर पहली फिल्म की कामयाबी के बाद उनका करियर ही नहीं उनकी निजी जिंदगी भी कई उतार-चढ़ावों से गुजरी। आश्रम जैसी वेब सीरीज से उनकी शानदार वापसी हुई और इन दिनों वे चर्चा में हैं संजय लीला भंसाली की आने वाली वेब सीरीज हीरामंडी से। इस मुलाकत में वे अपने करियर के मुश्किल दौर, माता-पिता, शादी, दिल टूटने, हीरामंडी, संजय लीला भंसाली, रिचा चड्ढा जैसे कई मुद्दों पर बातें करते हैं।

आपके लिए वो दौर कितना मुश्किल था, जब आप कंगना रनौत के प्रकरण से गुजरे, आप पर ड्रग्ज के आरोप लगे, आपको अनुशासनहीन करार दे दिया गया?

कठिन था वो दौर। मेरे बारे में ये बातें 15 साल पहले कही गई थीं और उसके बाद मैंने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ देखा। बस एक बात मेरे मन में पैठ गई कि अगर मुझे अपने बारे में लोगों की धारणा बदलनी है, तो मुझे मेहनत करनी होगी और सक्सेज पाना होगा और आज जब हीरामंडी चर्चा में है, तो लोग मेरे काम के कारण उन पुरानी बातों को भूल चुके हैं। हालांकि बहुत मुश्किल था, जब पहचान होते हुए भी मेरी कोई पहचान नहीं थी। राज 2 के साथ मेरी धमाकेदार शुरुआत हुई, फिर मैंने जश्न की, इनके गाने सुपर हिट हो गए, मगर फिर मुझे काम मिलना बंद हो गया। दस साल तक मैं घर पर बैठा रहा, मुझे लगा, मैं दुनिया में हूं ही क्यों? मुझे खुदकुशी खयाल आने लगे। मैं डिप्रेशन में चला गया। मगर मैं हर दिन आईने में देखकर खुद से यही कहता कि तुझे हार नहीं माननी है। हार न मानने की जिद न मेरे मां-बाप कर पाए, न दोस्त। ये मैंने खुद के लिए किया। मैं रोज जिम जाता था। मैंने डायरेक्शन को आजमाया, गाने बनाने शुरू किए। मेरा गाना प्रकाश झा साहब ने देखा। फिर मुझे आश्रम मिली, दो छोटी फिल्मों में मौका मिला और आज मैं हीरामंडी का हिस्सा हूं। मैं मिस इंडिया दिविता राय के साथ लव स्टोरीज ऑफ नाइंटीज जैसी फिल्म कर रहा हूं। विजय राज के साथ मैंने एक थ्रिलर फिल्म पूरी कई है वहम। एक और फिल्म है इन ट्रैप और इसके अलावा मैं एक बड़ा शो प्रड्यूस भी कर रहा हूं। मैं आज जो कुछ हूं, मेरे अतीत के अनुभवों से हूं।

क्या ये सच है कि हीरामंडी की भूमिका के लिए पहले आप रिजेक्ट हो गए थे?

हां, ये सच है। देखिए, मेरे अभिनय की 15 साल की एक जर्नी रही है और हर एक एक्टर का सपना होता है कि संजय लीला भंसाली के साथ उसे काम करने का मौका मिले। हालांकि मैंने सोचा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा। आश्रम में मेरे किरदार की सफलता के बाद भी मैंने देखा कि इंडस्ट्री मुझे वैसे एक्सेप्ट नहीं कर रही है, जिसे मैं चाहता हूं। कहीं न कहीं अपने काम को लेकर मैं फिर से निराश होना शुरू हो गया था, मगर फिर मुझे ऑडिशन का मौका मिला और मैंने जिन हालात में ऑडिशन किया, उसमें मुझे ये रोल नहीं मिला। दो महीने बाद मुझे दोबारा फोन आया और मैं अचंभित हो गया, जब ये रोल मुझे मिला।

रोल के लिए कोई खास तैयारी की?

मैं इसमें बिगड़ैल नवाब जोरावर अली खान की भूमिका में हूं। ये बहुत ही एरोगेंट और अय्याश टाइप का नवाब है। ये बेहद ग्रे किरदार है, जो अपने अलावा और किसी से प्यार ही नहीं करता। दूसरे किरदारों के साथ उसके डायनेमिक्स काफी अच्छे हैं। लज्जो बनी रिचा चड्ढा को जोरावर से मोहब्बत होती है। यह एक बेहद दमदार किरदार है। इस रोल को करते हुए नुक्ते लगाना, उर्दू बोलना बहुत जरूरी था। आप बॉडी बनाओ या खुद को ट्रांसफॉर्म करो या फिर कितनी भी तैयारी क्यों न करो, आप जैसे ही सेट पर जाओगे सर (संजय लीला भंसाली) सब कुछ बदल देंगे। सेट पर वे एक सीन को चार अलग-अलग तरह से शूट करते हैं। सर आपको एक से दस के बीच ले जाते हैं, मगर दस से बारह तक आपको जाना होता है। वे दस के बाद आपको खुला मैदान दे देते हैं कि एक अभिनेता उसे अपने अंदाज में जी सके।

ऋचा चड्ढा का साथ कैसा रहा?

वे बेहद कमाल की अदाकारा हैं। बेहद सिक्योर और जमीन से जुड़ी अभिनेत्री हैं। पहले दिन की शूटिंग के बाद रात को दो बजे मुझे उनका वॉइस नोट आया। उन्होंने बहुत सारी बातें कीं और बोलीं कि तुम बेहद प्रतिभाशाली अभिनेता हो, जबकि दुनिया ने तुम्हारे बारे में कुछ अलग ही बातें फैला रखी हैं और मुझे खुद पर गुस्सा आ रहा है कि कुछ हद तक मैंने भी उन बातों। पर विश्वास किया था, मगर तुमने उन सारी बातों को गलत साबित किया। बस इसी तरह मेहनत करते रहो। तुम एक प्योर आर्टिस्ट हो। उनका ये वॉइस नोट मेरे लिए बहुत बड़ी बात रही।

आप अपना सोशल मीडिया कैसे हैंडल करते हैं?

अब एक टीम रखी है, जो मेरा सोशल मीडिया हैंडल करती है। मगर मैं समझता हूं कि सोशल मीडिया सही रीजन के लिए होना चाहिए। सोशल मीडिया ये तय नहीं करता कि आप अच्छे एक्टर हैं। ये कनेक्टिविटी के लिए होता है। ट्रोल्स की मैं ज्यादा चिंता नहीं करता। मुझे लगता है, जो लोग बेरोजगार हैं, वही यहां इस तरह की बातें करते हैं। मैंने सुना है कि एलन मस्क नए ट्वीट करने वालों से ट्वीट करने के पैसे लेने वाले हैं। मैं सोचता हूं कि तब इन बेरोजगारों का क्या होगा?

नोएडा में लोकसभा चुनाव के लिए हो रही वोटिंग के दौरान दिव्यांगजन और वृद्धजनों में भी वोटिंग के प्रति गजब का उत्साह दिखाई दे रहा है, सारी सुविधाओं से युक्त मतदान केंद्रों पर वोट देने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। नोएडावासियों में वोटिंग के प्रति काफी उत्साह है।

एमिटी की डा. स्मिता साहू को 'आईपी एजुकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड' का अवार्ड

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी आईपीआर सेल की निदेशक डॉ. स्मिता साहू को नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय आईपी लीडरशिप अवार्ड्स कार्यक्रम में ''आईपी एजुकेटर ऑफ द ईयर अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दुनिया भर में नवाचार और स्थिरता के लिए अंतर्दृष्टि, सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों को साझा करने के लिए उद्योग के नेताओं को एक साथ लाना था।

डॉ. स्मिता साहू की ओर से पुरस्कार स्वीकार करते हुए, एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. डब्लू. सेल्वामूर्ति ने कहा कि मैं डॉ. स्मिता साहू की ओर से पुरस्कार स्वीकार करते हुए स्वंय को सम्मानित और प्रसन्नचित महसूस कर रहा हूं, जिन्होंने इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एमिटी विश्वविद्यालय में अनुसंधान और नवाचार, बौद्धिक संपदा अधिकार के क्षेत्र में डॉ. साहू के समर्पण और उल्लेखनीय योगदान ने उन्हें वास्तव में विशेष बनाया है।। यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत और विशेषज्ञता का प्रमाण है। यह पुरस्कार एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा, जो आईपीआर के क्षेत्र में और भी बे नवाचार और प्रभाव को प्रेरित करेगा। पुरस्कार समारोह के दौरान एसोचैम नेशनल कांउसिल ऑन आईपीआर के चेयरमैन प्रवीण आनंद, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार, जापान पेटेंट के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग के उप निदेशक हिरोयुकी नाकानो भी उपस्थित थे।

गांव का रास्ता तालाब में तब्दील

प्राधिकरण के स्वच्छ नोएडा के दावे ग्रामीण इलाकों में खोखले

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा को अत्याधुनिक शहर व स्वच्छता में नम्बर-1 रैकिंग पर लाने के प्रयास ग्रामीण इलाकों के लिए अभिशाप बन गए है। नोएडा के गांव में रहने वाले ग्रामीण जलभराव, गंदगी तथा अन्य कई समस्याओं का सामना कर रही हैं। नोएडा के गांव की इन दिनों बदहाल स्थिति है। नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारी चुनाव का बहाना बनाकर विकास कार्यों से किनारा कर रहे हैं।

नोएडा के सेक्टर-86 स्थित याकूबपुर गांव आज ऐसी ही बदहाली का सामना कर रहा है। याकूबपुर के निवासी महेश भाटी ने बताया कि गांव के मुख्य रास्तों पर गंदा पानी बह रहा है। गांव में नालियों की सफाई नहीं हुई है। नियमित साफ-सफाई न होने के कारण ग्रामीणों का घर से बाहर निकलना दूभर हो गया है। ग्रामीणों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। गांव में अधिकतर रास्तों की हालत ऐसी ही है। गांव के मुख्य रास्ते तालाब बनते जा रहे हैं। पानी भरा होने की वजह से ग्रामीण क्षेत्र में संक्रमित रोग तथा दुर्घटनाएं होने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। महेश भाटी ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग से गांव में फैली गंदगी की शिकायत की गयी थी, लेकिन अभीतक प्राधिकरण ने कोई एक्शन नहीं लिया है।

प्राचीन बाराही मेला-2024

'अरे मेरे लाल के प्राण बक्श दो, भूलो न अहसान...'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर में चल रहे ऐतिहासिक प्राचीनकालीन बाराही मेला-2024 के तीसरे दिन ज्ञान इंटनरेशनल स्कूल के नन्हे मुन्हों ने गीत संगीत और नृत्य की खास प्रस्तुति दी। रात्रिकालीन रगानियों के रंगारंग कार्यक्रम में हरेंद्र नागर, दीपा चौधरी एंड पार्टी के कलाकारों ने एक से बढ कर एक रागनी की प्रस्तुति देते हुए समा बांध दिया। लोक कला संस्कृति मंच से राजबाला सपेरा एंड पार्टी राजस्थान के कलाकारों द्वारा गीत संगीत के साथ खास नृत्य प्रस्तुत किए गए।

बाराही मेले में दिनोंदिन भीड़ बढ़ती जा रही है। यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम आर्कषण का केन्द्र बने हुए हैं। मेले में तीसरे दिन सिकंदरनाथ बीन तुंबा पार्टी के कलाकारों के द्वारा कई प्रकार के करतब दिखाते हुए विशेष प्रस्तुति खासा आकषर्ण का केंद्र रही।

डॉली शर्मा और कशिश चौधरी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करते हुए जमकर धमाल मचाया। कर्मवीर बैंसला ने वीर हकीकत राय के किस्से से- अरे मेरे लाल के प्राण बक्श दो, भूलो न अहसान... और पिंकी शर्मा ने- मां का राज न बाप की चौधर, प्यार रहा न भाई का,मर्द हो गए गुलाम, घर मे राज लुगाई का... रागनियां प्रस्तुत करते हुए खूब तालियां बटोरी। हरेंद्र नागर ने बाराही मेले पर आधारित--- बाराही मेले में कैसी छा रही, अजब बाहर, कैसा सजा हुआ रे दरबार... भजन और रानी निहालदे व नर सुल्तान के किस्से पर आधारित... सारी झूले सहेली साथ, हिंडोला सजा बाग में... रागनी प्रस्तुत करते हुए खूब वाहवाही लूटी। दीपा चौधरी और हरेंद्र नागर की जोडी ने महाभारत द्रौपदी चीर हरण के प्रसंग से सवाल जवाब की रागनी प्रस्तुत की।

मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि आज (शुक्रवार) को लार्ड गणेश पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जब कि रागनियों के रंगारंग कार्यक्रम में रनवीर भडाना और राधा चौधरी एंड पार्टी के कलाकारों में जिले सिंह नागर, रोहताश दायमा, अर्जुन जोनचाना, पायल और सोनी चौधरी अपनी खास प्रस्तुतियां देंगे।

दंपत्ति की मन्नत हुई पूरी

सूरजपुर में ऐतिहासिक प्रचीनकालीन बाराही मेला-2024 इन चल रहा है। बाराही मेले के दौरान ही बाराही माता की असीम अनुंकपा से एक दंपत्ति को 7 साल बाद पुत्र पैदा हुआ। इस वर्ष-2024 में प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला सोमवार दिन 22 अप्रैल-2024 से शुरू हुआ है। मन्नत पूरी हुई और दंपत्ति को यह पुत्र रत्न की प्राप्ति भी इस दिन 22 अप्रैल-2024 को हुई। शिव मंदिर बाराही मेला समिति के पदाधिकारियों की ओर से संस्कृति मंच पर दंपत्ति का सम्मान किया गया और नवजात शिशु को माल्यापर्ण कर स्वागत किया। इस दौरान श्याम और उनकी पत्नी प्रियंका की खुशी से आंखे झलक पडी। दर्पत्ति श्याम और प्रियंका ने बताया कि शादी से पूरे 7 साल हो गए हैं मगर संतान का सुख नही मिल पा रहा था। सूरजपुर में बाराही मंदिर पर आकर मन्नत मांगी और हुआ भी कुछ ऐसा कि मां बाराही ने उनकी इस इच्छा को पूरा किया।